आज का विचार

तीन लोग हमेशा परेशान मिलेंगे, पहला वफादार, दूसरा मददगार और तीसरा दिल का साफ।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | सोमवार, 15 सितंबर, 2025 वर्ष 23, अंक 226, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमें प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम: मोहन भागवत

सरसंघचालक ने इंदौर में किया मंत्री पटेल की 'परिक्रमा कृपा सार' पुस्तक का विमोचन

एजेंसी (हि.स.)

इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमारा देश श्रद्धा का देश है। यहां कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी हैं। तर्क और शास्त्रार्थ में हमारा देश कहीं भी पीछे नहीं है, परंतु हम लोग जानते हैं कि श्रद्धा और विश्वास से जीवन चलता है। जिनको जड़वादी कहा जाता है, वे भी आजकल इसको मानते हैं। दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है। आज दुनिया में संघर्ष इसलिए है, क्योंकि सभी के मन में अहम है, जिसमें केवल यह सोच है कि मैं ही आगे बढ़ूं और दूसरा कोई आगे न बढे, इसलिए सभी आपस में भिड़े हुए हैं।

सरसंघचालक डॉ. भागवत रविवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित नर्मदा खंड सेवा संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल की लिखी पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' का विमोचन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे।

सरसंघचालक ने कहा कि मुझे बताया गया कि पुस्तक में नर्मदा परिक्रमा के अनुभव का वर्णन है। इसे मैंने मान्य कर लिया है, क्योंकि नर्मदा परिक्रमा बहुत बड़ी श्रद्धा का विषय है। नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह हमें प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। यह अनुभव जीवन को नई दिशा देता है और व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भगवान एक हों या अनेक, इससे टकराव होना स्वाभाविक है, लेकिन भारतीय दर्शन हमें सिखाता है कि ऐसे विवादों में पड़ने की आवश्यकता नहीं है। हमारे दृष्टिकोण में सिर्फ.भगवान हैं और कोई नहीं, इसलिए सभी टकराव निरर्थक हो जाते हैं। जीवन की सच्चाई

यही है कि हम सब एक हैं, लेकिन व्यवहार में हम सभी के साथ समानता नहीं बरतते। जब कोई व्यक्ति स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने लगता है, तभी संघर्ष और विवाद जन्म लेते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के मन में आया कि एक कंपनी होनी चाहिए है। वे मजिस्ट्रेट के पास गए। उन्होंने कहा कि हम लोग एक कंपनी हैं। जनरल मोटर्स उसका नाम है। उनकी बात को मजिस्ट्रेट ने मान लिया, जबकि जनरल मोटर्स नाम की कंपनी का अस्तित्व है ही। कुछ लोगों ने कह दिया और एक आदमी ने मान लिया। अगर कल कोई घोटाला हो गया तो ये कह सकते हैं कि कंपनी तो मैं नहीं हूं, लेकिन जनरल मोटर्स नाम की कंपनी साल में एक लाख कारें तैयार करती है। कंपनी इतने लाख लोगों को रोजगार देती है। उसके नाम पर इतने करोड़ों का व्यवहार करते हैं। यह सब क्या है? इसे ही कहते हैं कि दुनिया विश्वास पर चलती है।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां जो श्रद्धा है। यह कहीं सुनने से नहीं आई है। यह काल्पनिक श्रद्धा नहीं है। जो कोई प्रयास करेगा वो उसे ले सकेगा। ऐसा हम सुनते हैं कि वैज्ञानिक बुद्धि से चलो। लेकिन, वैज्ञानिक बुद्धि क्या है यानी प्रत्यक्ष प्रमाण चाहिए। लेकिन, आज ऐसा कहने वाले लोगों के पास प्रत्यक्ष प्रमाण होगा ऐसा नहीं है, लेकिन हमारे भारत की जो श्रद्धा है, उसके लिए प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रत्यक्ष प्रमाण साझा करने वाले लोग हैं। आपको वो प्रमाण लेना है तो प्रयास और प्रयोग करने होंगे। इसलिए श्रद्धा और विश्वास की भावना को हमारे यहां साकार रूप दिया गया है। उनको भवानी और शंकर रूप दिया है। भगवान अपने अंदर हैं। बिना श्रद्धा और विश्वास के उसके दर्शन नहीं कर सकते हैं।

डॉ. भागवत ने कहा कि गला काटने का काम, जेब काटने का काम पहले दर्जी करते थे, अब पूरी दुनिया कर रही है। बाज और कबूतर की कहानी सिखाती है कि ज्ञान और कर्म दोनों जरूरी हैं। सिर्फ ज्ञानी होकर निष्क्रिय रहना गड़बड़ी करता है। उन्होंने कहा कि जीवन एक नाटक की तरह है, जहां हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होती है, लेकिन अंत में असली पहचान आत्मा की होती है।

प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः नायब सिंह सैनी

वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के विजन को पूरा करने के लिए शिक्षा व्यवस्था की गई सुदृढ़

संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। प्रदेश सरकार हरियाणा को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रदेश में वर्ष 2025 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार द्वारा प्रदेश में नई 10 आईएमटी स्थापित की जाएंगी, जिन से प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सरकार द्वारा गत साढ़े दस वर्ष के दौरान बिना पर्ची-बिना खर्ची के एक लाख 80 हजार युवाओं को मेरिट के आधार पर सरकारी रोजगार दिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्थानीय सैनी शिक्षण संस्था के 75वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितगण को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षण संस्था के समर्पण भाव से शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे सराहनीय योगदान के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा शिक्षण संस्था ने समाज में शिक्षा का प्रकाश फैलाने के गौरवपूर्ण 75 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। गत 10 मई 1941 को इसी शहर की एक चौपाल में सैनी प्राइमरी स्कूल से शुरू हुई संस्था महात्मा ज्योतिबा फुले के कर्म ही पूजा है के संदेश पर चलते हुए 75 वर्षों बाद, आज यह सोसायटी एक वट वृक्ष बन चुकी है। उन्होंने अपने स्वैच्छिक कोष से संस्था के लिए 51 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की तथा सैनी शिक्षण संस्था द्वारा रखी गई सभी चार मांगों को यथासंभव पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने शिक्षण संस्था को 21 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा सदन का लोकार्पण तथा सैनी पब्लिक स्कूल के नए भवन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले व भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले सैनी समाज के रत्न है। उन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किया तथा कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा, विधवा विवाह, वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर आवाज बुलंद की। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुषों द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलते हुए सरकार हरियाणा एक-हरियाणवी एक की भावना से कार्य कर रही है। महात्मा ज्योतिबा फुले ने कहा था कि शिक्षा ही व्यक्ति और समाज का उत्थान कर सकती है। उन्होंने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले के साथ मिलकर पुणे में भारत का पहला लड़कियों का स्कूल खोला। शिक्षा के दीपक ने ही नारी, पिछड़े व वंचित वर्गों में आत्म विश्वास जगाया। महाराज सूरसैन के वंशज सैनी समाज का इतिहास प्राचीन और गौरवशाली रहा है। इस समाज ने हमेशा श्रम, त्याग और सेवा को अपना धर्म माना है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इसी प्रकार, संत श्री लिखमीदास जी, बल्लभगढ़ रियासत के सेनापति गुलाब चंद सैनी, बिहार में सामाजिक क्रांति के सूत्रधार बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा जैसे समाज सेवक, हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद कुशवाहा जैसे खिलाड़ी तथा चंडीगढ़ स्थित रॉक गार्डन के निमार्ता पद्मश्री नेकचंद सैनी जी जैसे कलाकार भी इसी समाज की देन हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में भी सैनी समाज का बड़ा योगदान रहा है। आजाद हिन्द फौज के सेनानी सरदार महंगा सिंह सैनी व अजीत सिंह सैनी तथा हरि सिंह सैनी जैसे स्वतंत्रता सेनानी भी इसी समाज ने दिए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी बच्चों का स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित किया गया है। स्कूलों में डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लासरूम, टैबलेट वितरण और ई-लर्निंग को प्रोत्साहन दिया गया है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ अभियान को व्यवहार में उतारते हुए छात्राओं के लिए सुरक्षित परिवहन, छात्रवृत्ति और सैनिटेशन सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

कांग्रेस ने नॉर्थ-ईस्ट और असम को केवल हिंसा विवाद और अलगाव की राजनीति दी : मोदी

एजेंसी (हि.स.)

गोलाघाट/दरांग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया, लेकिन नॉर्थ-ईस्ट और असम को केवल हिंसा, विवाद और अलगाव की राजनीति दी, जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार असम की पहचान और विरासत को सशक्त कर आधुनिक विकास की ओर अग्रसर कर रही है। प्रधानमंत्री असम में गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में असम बायो-एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन और पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान असम को 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने असम और पूर्वोत्तर को घाव दिए, वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया और जमीनें घुसपैठियों को आवंटित कर दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य की जनसांख्यिकी से खिलवाड़ किया और असम के लोगों को उसकी कीमत चुकानी पड़ी। हमारी सरकार ने घुसपैठ की इस समस्या से निपटने का संकल्प लिया है और लोगों की जमीनें वापस दिलाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस शासन में बांस काटने पर पाबंदी थी और आदिवासी समाज के लोग,

जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी बांस पर निर्भर थी, उन्हें जेल भेजा जाता था। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने यह प्रतिबंध हटाकर आदिवासियों और पूर्वोत्तर की जनता को राहत दी और आज इसी फैसले से लोगों को लाभ हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने असमिया भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा देकर उसकी सांस्कृतिक महत्ता को मान्यता दी और लाचित बोरफुकन की विरासत को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार असम की पारंपरिक पहचान को आधुनिक आकांक्षाओं से जोड़ते हुए एक नए युग की शुरूआत कर रही है।

मोदी ने कहा कि असम भारत की ऊर्जा सामर्थ्य को बढ़ाने वाली धरती है। यहां से निकले पेट्रोलियम उत्पाद देश के विकास को गति देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। उन्होंने याद दिलाया कि एक दशक पहले तक भारत सोलर पावर के मामले में पिछड़ा हुआ था, लेकिन आज यह दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। बिजली, गैस और ईंधन की हमारी जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। पहले हम इन सबके लिए विदेशी देशों पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य सामने है।

प्रधानमंत्री ने गोलाघाट में असम बायो-एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड नुमालीगढ़ रिफाइनरी के सेकेंड जेनरेशन बायो-एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन किया। यह दुनिया का पहला आधुनिक संयंत्र है, जिसमें बांस से बायो-एथेनॉल बनाया जाएगा।

प्रधान मंत्री को जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 1035 पीतल पृष्ठों पर छपा भारत यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता सप्रेम भेंट

एजेंसी

नई दिल्ली

माननीय श्री थावरचंद जी गेहलोत भाईसाहब (राज्यपाल,कर्नाटक) की प्रेरणा से संविधान से देश पुस्तक द्वारा भारत यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते को 1035 पीतल पृष्ठों पर छापा गया हैं,जिसे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी को जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भेंट किया जाएगा।समझौता 24,जुलाई,2025 को हुआ,इसमें कुल 30 अध्याय जिनकी पृष्ठ संख्या 2065 ये विश्व के लिए भौचक्का कर

देने वाला समझौता हैं। क्योंकि ये कई पहलुओं को सीधे सीधे रेखांकित करता हैं। सामान नहीं अपितु मानवीय सेवाओं लेकर आपराधिक मामलों तक को सांझा कर साफ नियति प्रस्तुत की गई इस समझौते में 3 वर्ष की दोनों राष्ट्रों की कई महत्वपूर्ण बैठकें हुईं, दोनों ही राष्ट्रों के नागरिकों पर यह आगामी समय में असर कारक होगा। इस समझौते के प्रति दोनों देशों के नागरिकों के साथ ही इसके अतिरिक्त विश्व के अन्य देशों को भी जानकारी सांझा करने हेतु इसे पीतल के 1033 पृष्ठों पर उलट पलट 2065 पृष्ठों के समझौते को छापा गया, मुख्य व अंतिम पृष्ठ के साथ इसकी पीतल पृष्ठ संख्या 1035 होती हैं। 630 घंटे के परिणाम स्वरूप इसे तैयार किया गया। फाइनेंस टइअ छात्रों के सहयोग से इसे तैयार किया गया हैं, आर्थिक वहन भी 5 रु प्रति व्यक्ति जीवन में एक बार के आधार पर 1000 छात्रों द्वारा एकत्र कर कार्ययोजना को इतिश्री हेतु सहयोग किया। इसकी 2066 ढछ्ळ फाइल्स बनाने में 114 घंटे 56 मिनटों का समय लगा, ये एक विश्व रिकॉर्ड की इतने कम समय में स्त्राी से चित्र के स्क्रीन शॉट लेकर लैपटॉप में डाल कर उनको ढछ्ळ फाइल्स में स्थांतरित करना। ये सभी कार्य जनसहयोग से पूर्ण किया गया। इसकी छपाई में कुल 103 घंटे 25 मिनट समय लगा, इसकी पेज कटाई में लगभग 18 घंटे का समय लगा।

जीएसटी सुधार से लोगों पर से कर का बोझ होगा कम : निर्मला सीतारमण

एजेंसी (हि.स.)

चेन्नई

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में रविवार को व्यापार एवं उद्योग संघ की ओर से 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' के नाम से आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के लागू होने पर देश भर में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है और इसक सीधा प्रभाव भारत के एक सौ चालीस करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी का लाभ देश के हर नागरिक को रोजमर्रा की हर चीज में मिलेगा। इसका असर लोगों को सुबह की चाय से लेकर रात के खाने और सोने तक देखने को मिलेगा। जीएसटी में किए गए सुधारों से लोगों पर कर का बोझ कम होगा। अब 99 प्रतिशत सामानों पर जीएसटी की दरें 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई हैं। यह आम आदमी की जेब पर बोझ कम करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में एक समान कराधान सुनिश्चित करने के लिए 2017 में जीएसटी लागू होने से पहले केवल 66 लाख व्यवसाय ही टैक्स प्रणाली में शामिल थे। लेकिन पिछले आठ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है। यह सरकार की पारदर्शी और सरल टैक्स नीति का नतीजा

है। जीएसटी सुधारों के तहत वस्तुओं और सेवाओं के वर्गीकरण को सरल बनाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कर की श्रेणियां स्पष्ट और सरल हों, जिससे व्यापारियों और कारोबारियों में कोई भ्रम न फैले। साथ ही जीएसटी सुधारों के कारण अब कई उत्पादों की इनपुट लागत कम होगी। इससे कुल उत्पादन खर्च घटेगा और उपभोक्ताओं को भी कीमतों में राहत मिलेगी। सीतारमण ने कहा कि देश के हर राज्य में अलग-अलग त्योहार होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दीपावली से पहले जीएसटी सुधार लागू करने के निर्देश को ध्यान में रखते हुए, इन्हें पहले ही लागू करने का फैसला लिया गया है। नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी और इनका असर पूरे देश में महसूस किया जाएगा। यह सुधार पारदर्शिता भी बढ़ाएंगे और हर वर्ग को इसका फायदा मिलेगा।

हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है : अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)

गांधीनगर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हर नागरिक अपनी मातृभाषा को महत्व दे और राजभाषा को सहयोग प्रदान करे। उन्होंने कहा कि हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह रविवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में हिंदी दिवसझ्र2025 और पाँचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह के शुभारंभ पर केंद्रीय गृहमंत्री ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में हिंदी भाषा प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा, ह्लहिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि मित्र है ह्व पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होते थे। इसमें कुछ परिवर्तन किए गए और पिछले पाँच वर्षों से यह कार्यक्रम देश के विभिन्न भागों में आयोजित किया जा रहा है। परिणामस्वरूप हमें राजभाषा और देश की सभी भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात में प्रारंभ से ही दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल मुनशी, उमाशंकर जोशी तथा अन्य अनेक विद्वानों ने हिंदी को अपनाकर उसका प्रचार किया है। इन दूरदर्शी नेताओं ने भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे से संवाद के लिए और प्रत्येक राज्य में हिंदी को प्रोत्साहित करने के लिए आग्रह किया था। गुजरात में गुजराती और हिंदी का सहअस्तित्व रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गुजराती बच्चों की पहुँच राष्ट्रीय स्तर पर बहुत अधिक बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाहर यह पाँचवाँ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यह सम्मेलन भाषा प्रेमियों को नई दृष्टि, ऊर्जा और प्रेरणा देता है। आज इस परिषद में कई प्रकाशनों का लोकार्पण किया

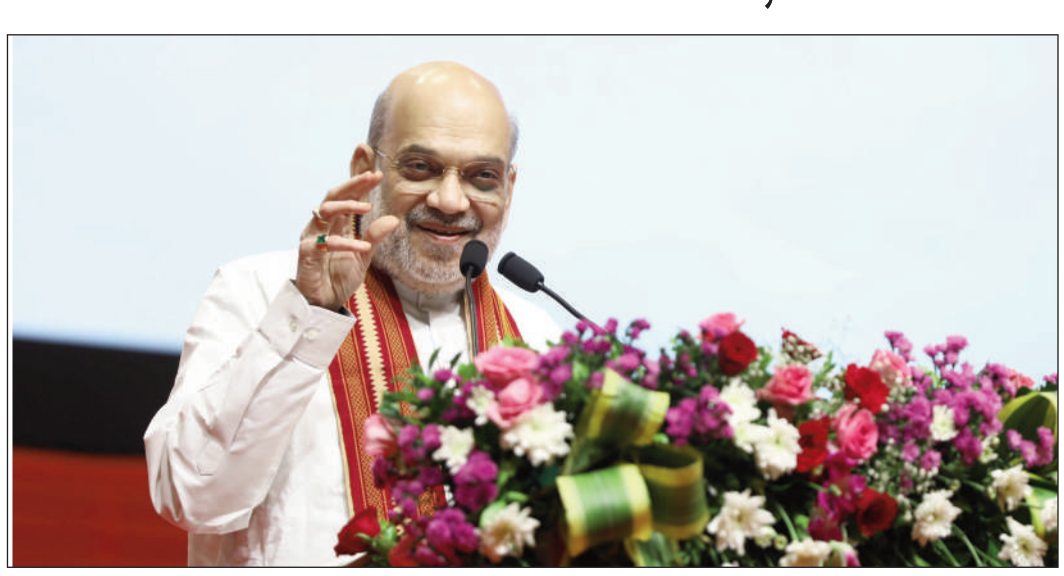

गया, जो भाषा के प्रति हमारे प्रेम और शैलियों में उसके उपयोग को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि हिंदी को बोलचाल और प्रशासन के साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी और न्याय की भाषा भी होना चाहिए। सारथी का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि सारथी एक अनुवाद प्रणाली है, जिसके माध्यम से हिंदी से भारत की सभी मान्यता प्राप्त भाषाओं में सरलतापूर्वक अनुवाद संभव है। इस प्रणाली के द्वारा देश के किसी भी राज्य से किए गए पत्राचार का उत्तर गृह मंत्रालय द्वारा उस राज्य की स्थानीय भाषा में दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की लड़ाई के दौरान तीन बातों पर बल दिया था–स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा। ये तीनों बातें आपस में जुड़ी हुई हैं और देश के स्वाभिमान से संबंधित हैं। महात्मा गांधी गुजरात राज्य साहित्य परिषद के अध्यक्ष थे और उन्होंने गुजराती शब्दकोश के निर्माण में भी बड़ा योगदान दिया। वे जानते थे कि जब तक भाषा मजबूत न हो, तब तक कोई भी समाज विश्व में सिर उठाकर खड़ा नहीं रह सकता।

केंद्रीय गृहमंत्री ने राजभाषा विभाग द्वारा भारतीय भाषा अनुविभाग के लिए तैयार बहुभाषी अनुवाद सॉफ़्टवेयर तथा डिजिटल हिंदी शब्द सिंधु के उन्नत संस्करण (7 लाख शब्दों सहित) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा तैयार हिंदी और सहकारिता पर केंद्रित विशेषांक तथा हिंदी और भारतीय भाषाएँः अनुवाद के आयाम नामक पुस्तक का विमोचन भी हुआ। साथ ही गृहमंत्री ने 12 से अधिक संस्थाओं और साहित्यकारों को राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त राजभाषा विभाग के मार्गदर्शन में विभिन्न बैंकों, इसरो और अन्य संस्थाओं द्वारा प्रकाशित पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी विमोचन किया गया। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरि महताब, अहमदाबाद के सांसद दिनेश मकवाणा, केंद्रीय राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव मीनाक्षी चौली, गुजराती शिक्षाविद् प्रो. विजय पंड्या सहित 6,000 से अधिक अधिकारीझ्रकर्मचारी उपस्थित रहे।

खराब मौसम के चलते नहीं शुरू हो पाई माता वैष्णो देवी यात्रा, अगले आदेशों तक फिर स्थगित की गई

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

माता वैष्णो देवी यात्रा खराब मौसम के कारण 19 दिनों के अंतराल के बाद आज से नहीं शुरू हो पाई और अगले आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। भवन और ट्रैक पर लगातार बारिश के चलते यात्रा रोकने के बाद श्राइन बोर्ड ने भक्तों से आधिकारिक संचार चैनलों के माध्यम से अपडेट रहने का अनुरोध है।

माता वैष्णो देवी यात्रा के रास्ते में 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई अन्य घायल हो गए।

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त के भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता विभागीय जल शक्ति के अतिरिक्त मुख्य सचिव शलीन कबरा कर रहे हैं, जिसमें डिविजनल कमिश्नर और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक भी शामिल हैं। यह कमेटी जांच के बाद एलजी सिन्हा को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने 13 सितंबर को 22 सितंबर से शुरू होने वाले नौ दिवसीय नवरात्रों के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए आध्यात्मिक विकास केंद्र, कटरा में एक संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की।

सीईओ ने कहा कि नवरात्रि उत्सव नजदीक है और बोर्ड को पवित्र तीर्थस्थल और कटरा में आधार शिविर में भक्तों की एक महत्वपूर्ण आमद की उम्मीद है। इस प्रकार नवरात्र महोत्सव के दौरान सभी हितधारकों के बीच तालमेल पर जोर दिया गया।

उन्होंने आने वाले दिनों में परेशानी मुक्त तीर्थयात्रा के लिए विभिन्न मोर्चों पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने खराब मौसम और पवित्र तीर्थस्थल तक जाने वाले मार्ग के आवश्यक रखरखाव के कारण अस्थायी रूप से स्थगित होने के बाद श्री माता वैष्णो देवी जी की यात्रा 14 सितंबर (रविवार) से अनुकूल मौसम की स्थिति के अनुसार फिर से शुरू करने की घोषणा की थी।इसी के मद्देनजर के मुताबिक भवन परिसर के साथ अन्य धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई तथा रंग रोगन का कार्य तेजी से कराया गया। श्राइन बोर्ड का अधिकतर स्टाफ भी तैनात कर दिया गया।

इसके बावजूद भवन और ट्रैक पर लगातार बारिश के चलते आज से यात्रा नहीं शुरू हो पाई और अगले आदेशों तक फिर स्थगित कर दी गई है।

वैष्णो देवी यात्रा ठप, श्रद्धालुओं का सब्र टूटा

जम्मू। माता वैष्णो देवी के दरबार में दर्शनों के लिए पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं का सब्र अब टूटता नजर आ रहा है। दर्शन की आस में कई दिनों से इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं ने नाराजगी जताते हुए आवाज उठाई है। उनका कहना है कि हम कई दिनों से यहाँ रुके हुए हैं लेकिन यात्रा शुरू नहीं हुई। हमें माता के दर्शन करने की इजाजत दी जाए। यात्रा के ठप रहने से कटरा और भवन परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हो गई है। ठहरने और भोजन की व्यवस्था तो है, लेकिन लंबे इंतजार से लोगों में बेचैनी और आक्रोश बढ़ने लगा है। कई श्रद्धालु दूर-दराज से माता रानी के दर्शन के लिए आए हैं, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे भी शामिल हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि लगातार इंतजार से उनकी हिम्मत जवाब देने लगी है और प्रशासन को चाहिए कि स्थिति का समाधान निकालते हुए उन्हें शीघ्र ही दर्शन की अनुमति दे। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा और व्यवस्थागत कारणों से यात्रा पर रोक लगी थी। प्रशासन का कहना है कि जैसे ही हालात सामान्य होंगे दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अनुमति दी जाएगी।

मोदी सरकार हिमाचल के आपदा प्रभावितों के साथ खड़ी : दुगार्दास उइके

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

केंद्रीय राज्य मंत्री दुगार्दास उइके ने कहा कि बाढ़ आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के लोगों की मदद के लिए केंद्र सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण और राहत कार्यों को गति देने के लिए 1,500 करोड़ रुपये की त्वरित सहायता जारी की गई है।

रविवार को चम्बा जिला के भरमौर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे मंत्री दुगार्दास उइके ने यहां जिला चंबा के सभी विभागीय अधिकारियों की विभागवार बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि स्थानीय जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और बाढ़ से प्रभावित इलाकों में क्षतिग्रस्त ढांचे को शीघ्र सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि राहत और पुनर्वास योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुंचे। बैठक के बाद भरमौर के विधायक जनकराज और जिला अधिकारियों ने मंत्री को बाढ़ आपदा से हुई क्षति और उससे निपटने हेतु तैयार की गई रिपोर्ट सौंपी। मंत्री ने कहा कि इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार आवश्यक कदम उठाएगी और जनता को राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।दौरे के दौरान मंत्री ने भरमौर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने कहा कि आपदा की घड़ी में केंद्र सरकार हिमाचल की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। स्थानीय समाजसेवियों और वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ आपदा के बाद भी चंबा के लोगों ने जिस साहस, हौसले और आपसी सहयोग की मिसाल पेश की है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा, मेरे आत्मीय भाइयों-बहनों, आपदा के इस कठिन समय में आपका जज्बा और एक-दूसरे की मदद करने की भावना मुझे प्रणाम करने के लिए विवश करती है। केंद्र सरकार आपके साथ है और हम मिलकर इस आपदा से बाहर निकलेंगे।

मंडी बाढ़ पीड़ितों को हिम आर्टिफिशर एसोसिएशन का सहयोग

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

भारतीय नौसेना के आर्टिफि शर कैडर से सेवानिवृत्त नौसैनिकों का पंजीकृत संगठन हिम आर्टिफि शर एसोसिएशन सदैव समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। इसी क्रम में, हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिला मण्डी के 16 बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद के लिए एसोसिएशन ने आर्थिक सहायता प्रदान की। यह राशि एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश्वर दत्त शर्मा द्वारा जन्जैली में चेक वितरित कर दी गई। इस अवसर पर संगठन के अन्य सदस्य महेश शर्मा, सुनील पटियाल, दीप कुमार, तनुज शर्मा और अजय ठाकुर भी उपस्थित रहे और प्रभावित परिवारों का हौसला बढ़ाया। हिम आर्टिफि शर एसोसिएशन भूतपूर्व नौसैनिकों का एक सशक्त मंच है, जिनका जीवन नौसेना के आर्टिफि शर केन्द्र में सेवा से प्रेरित रहा है। यह संगठन न केवल भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए समर्पित है, बल्कि वन रैंक वन पेंशन जैसे मुद्दों के समाधान के लिए सक्रिय प्रयास करता है, जरूरतमंद परिवारों को असामान्य मृत्यु की स्थिति में सहायता प्रदान करता है और उनके सर्वांगीण कल्याण के लिए समर्पित रहता है। साथ ही समय-समय पर आने वाली प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं में प्रभावित नागरिकों के सहयोग के लिए भी तत्पर रहता है। इस अवसर पर अध्यक्ष उमेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि हिम आर्टिफि शर एसोसिएशन सदैव मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि मानता है। समाज के प्रति हमारा यह कर्तव्य है कि संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहें। यह सहायता केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि उनके मनोबल को मजबूत करने का प्रयास है। एसोसिएशन ने यह भी संकल्प लिया है कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर और भी व्यापक स्तर पर राहत सामग्री, स्वास्थ्य सहयोग तथा पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई जाएगी। इस सहयोग से देझी, थुनाग, लाम्बा ठाच, बग्गा चनोई और जन्जैली क्षेत्र के निम्नलिखित परिवार लाभान्वित हुए । जिनमें रीता, भावना, मीना, यमुना, कमला, सुनीता, तारा, प्रताप, चुनी लाल,वीना, विश्वन देव, मीरा, डिंपल, कर्मू, जोगिंदर, और कृष्ण शामिल हैं।

वित्तीय समावेशन की पूर्णता के लिए बैंकों और उपभोक्ताओं के मध्य सहयोग एवं समन्वय आवश्यक : संजय मल्होत्रा

एजेंसी (हि.स.)
सोलन

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन की पूर्णता के लिए बैंकों और उपभोक्ताओं के मध्य सहयोग एवं समन्वय आवश्यक है। संजय मल्होत्रा रविवार को सोलन में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता एक दूसरे के पूरक हैं और भारतीय रिजर्व बैंक यह सुनिश्चित बना रहा है कि लोग वित्तीय रूप से साक्षर हों ताकि वित्तीय समावेशन का लक्ष्य पूर्ण हो सके और लोगों का धन सुरक्षित रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि देश में बैंक अब अधिक से अधिक लोगों तक सुविधाएं एवं सेवाएं पहुंचाना सुनिश्चित बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों के सहयोग से देश में वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित कर रहा है। इन शिविरों में जहां वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है वहीं री-केवाईसी जैसे आवश्यक उत्तरदायित्व को पूर्ण करने पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के लिए आवश्यक है कि बैंक उपभोक्ता तक पहुंचें। वर्तमान में देश में लगभग 1.65 लाख वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से लोगों को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश में यह सुनिश्चित बनाया जा रहा है कि 500 जनसंख्या वाली बस्ती के पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन की दिशा में पहला पग बैंक खाता है और आज देश में लगभग 250 करोड़ बैंक खाते खुल गए हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने धन और बैंक खातों को सुरक्षित रखने के लिए री-केवाईसी अवश्य करवाएं। उन्होंने आग्रह किया कि उपभोक्ता जन सुरक्षा योजनाओं में नामांकन करना सुनिश्चित बनाएं ताकि उन्हें बैंकिंग एवं बैंकों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही बीमा योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सचेत रहकर ही सुरक्षित रहा जा सकता है और वित्तीय रूप से नागरिकों को सुरक्षित रखना वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

कृत्रिम गभाधार्न तकनीक एवं त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम से लाभान्वित हो रहे पशुपालक

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पशुपालन विभाग द्वारा चलाए जा रहे त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम एक्सेलरेटेड ब्रीड इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत लिंग वगीर्कृत वीर्य सेक्स-सार्टेड सीमेन तकनीक के माध्यम से कृत्रिम गभाधार्न के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे बछियों की जन्म दर बढ़ने से दुग्ध उत्पादकों को लाभ सुनिश्चित हो रहा है। वर्तमान में देश व प्रदेश में बछड़ों व बैलों की संख्या बढ़ रही है, जबकि खेतों में उनके उपयोग की आवश्यकता न्यूनतम रह गई है। इससे यह पशु अनुपयोगी होकर सड़कों पर बेसहारा घूमते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। ऐसे में मादा पशुओं की संख्या में वृद्धि होने से इन बेसहारा गायों को आश्रय भी मिल सकेगा। इसके लिए पशुपालन विभाग लिंग वगीर्कृत वीर्य तकनीक का उपयोग कर बछड़ों की तुलना में बछियों की जन्म दर बढ़ाने के प्रयास कर रहा है।

मंडी जिले के सरकाघाट के उपमंडलीय पशु चिकित्सालय सरकाघाट के प्रभारी चिकित्सक डॉ. राजिंदर सिंह जस्वाल ने बताया कि इस तकनीक के अंतर्गत वीर्य से वाई क्रोमोसोम को अलग कर केवल एक्स-एक्स क्रोमोसोम का उपयोग किया जाता है, जिससे बछिया पैदा होने की संभावनाएं 90 से 95 प्रतिशत तक होती है। इस तकनीक के विस्तार से उन्नत नस्ल की बछियों की संख्या बढ़ रही है, जिससे दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हो रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत मात्र 250 रूपए में दो टीके उपलब्ध करवाए जाते हैं।

उपमंडलीय पशु चिकित्सालय सरकाघाट में जर्सी, होल्सटीन, साहिवाल और गिर नस्ल की गायों के लिए लिंग वगीर्कृत वीर्य उपलब्ध है। अब तक यहां 603 गायों को यह टीका लगाया जा चुका है। सरकाघाट उपमंडल के गांव अल्याणा डाकघर रोपड़ी के भुपिंदर सिंह ने बताया कि वे 22 गायों का पालन करते हैं। भुपिंदर ने बताया कि उन्होंने अप्रैल, 2023 से इस क्षेत्र में कार्य शुरू किया। इसके लिए उन्होंने राजस्थान से 5 साहिवाल नस्ल की गायें खरीदी थीं। इसके बाद जैसे-जैसे कार्य ने गति पकड़ी तो जरूरत के अनुसार फिर हरियाणा से साहिवाल क्रॉस नस्ल, जबकि गुजरात से गिर साहिवाल नस्ल की गाय खरीदी। उन्होंने कहा कि आज के समय में खेती में बैलों का प्रयोग न के बराबर रह गया है और अधिकतर लोग ट्रैक्टर तथा अन्य मशीनों का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में बछड़ों को लोग कई बार बेसहारा छोड़ देते हैं। इसके विपरीत यह तकनीक पशुपालकों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि निराश्रित पशुओं की समस्या का भी समाधान कर रही है।

भूटान में मृदुला श्रीवास्तव के व्यंग्य संग्रह का विमोचन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भूटान की राजधानी थिंफू में भूटान-भारत साहित्य महोत्सव में हिमाचल प्रदेश की वरिष्ठ साहित्यकार मृदुला श्रीवास्तव के व्यंग्य संग्रह 'आलस्यमेव जयते' का विमोचन किया गया। उन्हें 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य शिरोमणि सम्मान' से भी अलंकृत किया गया। इस अवसर पर मास्को, रूस से आई कवि श्वेता सिंह 'उमा' मुख्य अतिथि और भूटान की प्रमुख युवा कवि सीतामाया राई विशिष्ट अतिथि थीं।

क्रांतिधरा साहित्य अकादमी द्वारा भूटान की साहित्यिक संस्थाओं के सहयोग से हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा नेपाल, भूटान, रूस और अमेरिका आदि देशों के साहित्यकारों ने हिस्सा लिया।

अकादमी के अध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विजय पंडित ने कहा कि मृदुला श्रीवास्तव ने दो चर्चित कहानी संग्रह - 'काश पंडोरी न होती' और 'जलपाश' समाज को सौंपने के बाद व्यंग्य की दुनिया में कदम रखा।

संग्रह 'आलस्यमेव जयते' में 40 व्यंग्य-रचनाएं हैं। यह अनूठी कथामय शैली एवं भाषागत तेवरों से युक्त एक अद्भुत पुस्तक है। मृदुला श्रीवास्तव की कहानियां अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनकी कहानियों का अनुवाद अंग्रेजी, फ्रेंच और नेपाली में भी हुआ है। उन्हें अनेक प्रतिष्ठित सम्मान भी प्रदान किए गए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

इंदौरा में पकड़े गए चिट्टे मामले का मुख्य आरोपी पंजाब के दसूहा से गिरफ्तार

धर्मशाला। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाये गये अभियान के अन्तर्गत बीते 11 सितंबर को पकड़े गए 262 ग्राम चिट्टे के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को होशियारपुर के दसूहा से धर दबोचा है। गौर हो कि नशा माफिया के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाते हुये पुलिस थाना इन्दौरा के अधीन तमौता में छापामारी के दौरान आरोपी रोहित कुमार पुत्र मंजीत सिंह निवासी गांव तमौता डाकखाना उल्हेडियां तहसील इन्दौरा जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान से 262 ग्राम हैरोईन/चिट्टा बरामद करने में सफलता हासिल की थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस थाना इन्दौरा में मामला किया था। बाद में मामले की जांच के दौरान आरोपी से की गई पूछताछ और एकत्रित तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि इस मामले में अन्य व्यक्ति भी संलिप्त हैं। एसपी नूरपुर अशोक रत्न ने बताया कि जिला पुलिस नूरपुर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने पेशेवर तरीके से कार्रवाई करते हुए मामले में वांछित एक अन्य आरोपी पवन कुमार (38), पुत्र बालकृष्ण, निवासी गांव बलगण, डाकघर दसूहा, तहसील व जिला होशियारपुर (पंजाब) को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान आरोपी के कब्जे से एक लाख सात हजार 800 रुपये की नकद राशि तथा एक डिजिटल तराजू भी बरामद किया।

बठिंडी पुलिस ने अपहरण-स्नैचिंग मामला सुलझाया

जम्मू। जम्मू पुलिस (साउथ जोन) ने अपहरण और स्नैचिंग के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पोस्ट बठिंडी की टीम ने कार्रवाई करते हुए लूटा गया वाहन भी बरामद किया। 10 सितंबर को शफीक अहमद पुत्र गुलाम रसूल निवासी डेंजरपोरा, बारामुला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह सेब से भरा लोड कैरियर लेकर कश्मीर से जम्मू जा रहे थे, तो वे वेव मॉल के सामने गलत रास्ते पर चले गए। इसी दौरान दो अज्ञात युवक आए और उनसे गाड़ी की चाबी छीन ली। उन्होंने चालक को जबरन बंधक बनाकर बरमिनी सुजवान ले गए, हालांकि पीड़ित किसी तरह से भाग निकला और तुरंत पुलिस को सूचना दी। शिकायत मिलते ही पुलिस पोस्ट बठिंडी ने पीएस बही फोर्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन पुत्र मोहम्मद हुसैन निवासी करयानी तालाब, नरवाल बाला और राहुल कुमार उर्फ अंकुश पुत्र अशोक कुमार निवासी नरवाल मिस्त्री मोहल्ला जम्मू के रूप में हुई। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया और वाहन भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

उधमपुर पुलिस ने चोरी के दो मामले सुलझाए

जम्मू। उधमपुर पुलिस ने चोरी के दो मामलों को सुलझाते हुए दो चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की संपत्ति बरामद कर ली है। 11 सितंबर को पुलिस थाना उधमपुर में आलोक राज पुत्र चरण दास निवासी मौड़ उधमपुर ने शिकायत दर्ज कराई कि उनका मोटरसाइकिल (जेके 14जे-5199), जो 4 सितंबर को जखनानी चौक पर खड़ा था, चोरी हो गया है। इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। उसी दिन मीमा बेगम पत्नी तारिक हुसैन निवासी वार्ड नंबर 5, भरत नगर उधमपुर ने शिकायत दर्ज कराई कि 1 सितंबर को वह अपने रिश्तेदारों के घर गई थीं। अगले दिन लौटने पर उन्होंने पाया कि घर के ताले टूटे हुए हैं और मोबाइल फोन तथा 20,000 नकद चोरी हो गए हैं। इस पर भी मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान उधमपुर की टीम ने दो आरोपियों बादल कुमार पुत्र दिलीप कुमार निवासी पंजार पंचारी उधमपुर और कुलदीप चंद उर्फ मेरा पुत्र सिंदूर चंद निवासी गांदला उधमपुर को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिल गांदला से बरामद की गई। आगे की जांच में चार चोरीशुदा मोबाइल फोन और 11,500 नकद भी बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों की अन्य चोरियों में संलिप्तता की भी जांच जारी है।

महौर-रियासी सड़क भूस्खलन से बंद

जम्मू। लगातार भूस्खलन के कारण महौर रियासी ग्रिफ सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। धमारी (डमन) इलाके में लगातार मिट्टी और पत्थर गिरने से सड़क बंद है, जिससे सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। प्रशासन स्थिति को सुधारने में जुटा है, लेकिन सूत्रों के अनुसार सड़क कई दिनों तक पूरी तरह बंद रह सकती है। लोगों से अपील की गई है कि वे न पैदल और न ही वाहनों से इस मार्ग पर यात्रा करें।

डोडा में जनजीवन सामान्य स्थिति में लौटा

जम्मू। डोडा में हालात सामान्य होते ही जनजीवन एक बार फिर पटरी पर लौट आया है। बीते दिनों उत्पन्न हालातों के कारण प्रभावित हुई दिनचर्या अब धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। बाजारों में रौनक दिखने लगी है और लोगों ने राहत की सांस ली है। प्रशासनिक व्यवस्था भी सुचारू रूप से काम कर रही है।

डोडा में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में 26 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने घर के अंदर खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, पुलिस ने रविवार को कहा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविंदर कटोच ने शुक्रवार शाम हंबल गांव में अपनी जान लेने के लिए अपने पिता जोगिंदर कुमार जो कि एक गांव के रक्षा गार्ड थे की लाइसेंसी राइफल का इस्तेमाल किया। पुलिस उपाधीक्षक अजय आनंद ने कहा कि पुलिस ने घटना के विवरण का पता लगाने के लिए जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), डोडा ले जाया गया है और अंतिम संस्कार के लिए उसके परिवार को सौंपा जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि उसके इतना बड़ा कदम उठाने के पीछे का मकसद तत्काल पता नहीं चल पाया है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

हिंदी दिवस

कहा- हिंदी भाषा है हमारे राष्ट्र की आत्मा

हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय अग्रणी: कुलपति

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

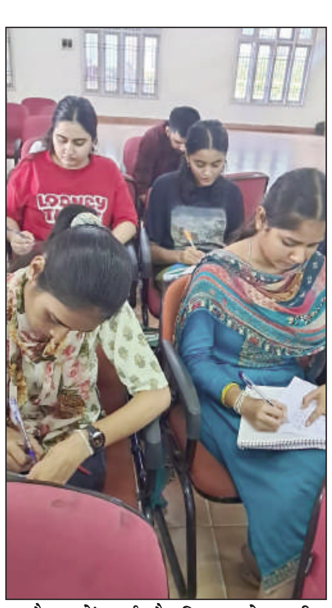

हिन्दी भाषा की समृद्ध परम्परा, सांस्कृतिक आत्मा और राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार स्वरूप को सुदृढ़ करने की दिशा में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि हिन्दी केवल सम्वाद की भाषा न रहकर ज्ञान, शोध, शिक्षण और प्रशासन की भी प्रमुख भाषा बने। इस दृष्टि से विश्वविद्यालय ने देश में एक नई पहचान बनाई है।

कुलपति ने कहा कि हिन्दी हमारे राष्ट्र की आत्मा है। जब तक शिक्षा और शोध कार्य हमारी मातृभाषा या राष्ट्रभाषा में नहीं होंगे, तब तक ज्ञान की वास्तविक लोकतांत्रिक पंहुच सम्भव नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और हमें गर्व है कि हमारे सभी पाठ्यक्रम हिंदी में भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी स्कूलों और केंद्रों को निर्देशित किया है कि वे अपने कार्य हिन्दी में संपन्न करें, जिससे विद्यार्थियों और अध्यापकों के बीच हिन्दी का सहज प्रवाह हो सके। विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों धर्मशाला, देहरा और शाहपुर में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सभी स्कूलों और केंद्रों के संकाय सदस्य, शोधार्थी और छात्र-छात्रायें इन कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं।

इस मौके पर चित्रकला अभिव्यक्ति प्रतियोगिता में छात्रों ने हिन्दी भाषा, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की एकता पर आधारित चित्र बनाए। रंगों और रेखाओं के माध्यम से उन्होंने हिन्दी को भारतीय आत्मा की अभिव्यक्ति बताया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय ह्वैश्विक संदर्भ में हिन्दी की उपयोगिता को सुनिश्चित किया गया है। आशु भाषण प्रतियोगिता में छात्रों को दिए गए विषयों पर तत्काल भाषण देकर अपनी भाषाई दक्षता और सोचने-समझने की क्षमता का प्रदर्शन किया। वहीं काव्य पाठ पर छात्रों एवं शोधार्थियों ने हिन्दी कविता की विविध विधाओं का रसास्वादन करवाया।

टिप्पण-प्रारूपण कार्यशाला में शिक्षकेतर सदस्यों को हिन्दी में शुद्ध और प्रभावी लेखन की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे हिन्दी में प्रशासनिक पत्राचार और शोध लेखन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोकगीत, नाटिका और एकांकी प्रस्तुतियों ने हिन्दी की विविधता और जन-संस्कृति के महत्व को उजागर किया गया। हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जितनी भी प्रतियोगिताएं हो रही हैं उनके विजेताओं को पुरस्कार राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भी प्रदान किये जायेंगे।

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा : आचार्य ललित कुमार अवस्थी

मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी के इतिहास विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्र निर्माण में हिंदी का योगदान विषय पर एक आभासी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. गंगाराम राजी ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि हिंदी दिवस का सच्चा अर्थ यही है कि हम हिंदी के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़े रहें और साथ ही इसे आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ आगे बढ़ाएँ। उन्होंने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम ऐसी भाषा के धनी हैं जो सरलता में महानता और आत्मीयता में व्यापकता का भाव समेटे हुए है। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हिंदी को अपने दैनिक जीवन और शैक्षिक लेखन में और अधिक प्रयोग में लाएँ। उनका कहना था कि मातृभाषा में ज्ञान की अभिव्यक्ति से ही मौलिकता और नवाचार को गति मिल सकती है। मुख्य वक्ता डॉ. गंगाराम राजी ने राष्ट्र निर्माण में हिंदी का योगदान विषय पर विस्तार से व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हिंदी ने समाज को जोड़ने, जनजागरण करने और राष्ट्रीय चेतना जाग्रत करने का कार्य किया है व विभिन्न प्रांतों, भाषाओं और संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। डॉ. राजी ने कहा कि हिंदी केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की भाषा है, जिसकी वैश्विक पहुँच निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे हिंदी को ज्ञान-विज्ञान के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाएँ और इसे रोजगार तथा शोध की भाषा बनाएँ। उन्होंने कहा कि आज जब हम वैश्वीकरण और तकनीकी युग में प्रवेश कर चुके हैं, तब हिंदी की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। डिजिटल युग में हिंदी विश्व की उन प्रमुख भाषाओं में शामिल है, जिसकी पहुँच करोड़ों लोगों तक है। सोशल मीडिया, साहित्य, पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार सहित हर क्षेत्र में हिंदी अपनी विशेष पहचान बना रही है।

17 सितंबर से देशभर में चलेगा स्वच्छता ही सेवा अभियान: मनोहर लाल

सेवा पखवाड़े के 15 दिनों में आयोजित होंगे 17 तरह के कार्यक्रम

संवाददाता
चंडीगढ़

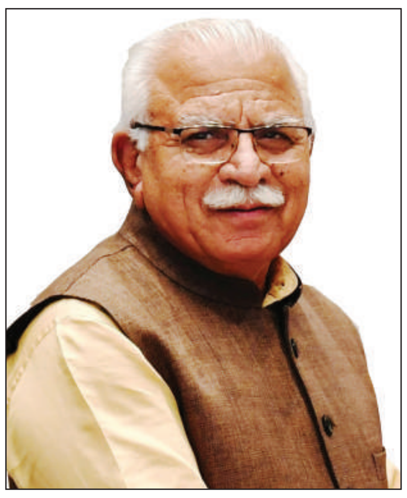

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल में स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय कर्ण कमल में सेवा पखवाड़े को लेकर बैठक ली। इसके उपरांत उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आगामी 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक देशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान उनके विभाग शहरी विकास की ओर से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत शहरों की साफ-सफाई करवाई जाएगी व कुछ जगहों का जिम्मा स्वयं विधायक व जनप्रतिनिधि भी लेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्मदिन है। इसके साथ - साथ 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का भी जन्मदिन आता है। इस दौरान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस पखवाड़े में बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम जिला स्तर पर, विधानसभा स्तर पर और गांव स्तर पर आयोजित होंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि सेवा पखवाड़े की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। 15 दिन में 17 अलग - अलग तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें रक्तदान शिविर, एक पेड़ मां के नाम, प्रबुद्धजनों की बैठक, जीएसटी पर व्यवसायियों का सम्मेलन, साहित्य वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बीच में कई बड़े त्यौहार भी आ रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि सभी को त्यौहारों के साथ - साथ इस सेवा पखवाड़े में भी हिस्सा लें।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का पहला चरण 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है। केवल 6 प्रतिशत काम ही बचा है। पिछले वर्ष इस योजना का दूसरा चरण भी शुरू हुआ है। इसके अंतर्गत देशभर में 3 करोड़ मकान बनाए जाने हैं। इसमें 1 करोड़ मकान शहरी क्षेत्र में जबकि 2 करोड़ मकान ग्रामीण क्षेत्र में बनाए जाने हैं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण एवं अन्य वरिष्ठजन मौजूद रहे।

किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है केंद्र और राज्य सरकार : सतीश चंद्र दूबे

चंडीगढ़। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय राज्यमंत्री श्री सतीश चंद्र दूबे ने आज कहा कि केंद्र व राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष किसानों के मुद्दों को रखा जाएगा और समस्याओं का निवारण करवाया जाएगा। श्री दूबे रविवार को सिरसा में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जलभराव सहित फसल बीमा को लेकर किसानों ने जो सुधार की मांग रखी है, उस पर भी कार्यवाही की जाएगी। इस बार घग्गर नदी में वर्ष 2008 से भी अधिक पानी आया है। इसके चलते कई गांव प्रभावित हुए हैं। सरकार द्वारा तत्काल राहत एवं निगरानी कार्य किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के साथ ही खाने-पीने का सामान व दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अलावा सर्वे भी करवाया जा रहा है कि मकानों को कितना नुकसान हुआ है। राज्य सरकार निश्चित रूप से इसकी भरपाई करेगी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पानी हटने के बाद महामारी का अंदेशा बना रहता है, इसके लिए दवा का छिडकाव, मेडीकल टीम्स, लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना, आने - जाने के रास्ते ठीक करवाना आदि का ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा रिलीफ किट भी वितरित करवाई जा रही है। पत्रकारों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आज किसानों को उनकी फसलों का अच्छा दाम मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ वासियों को अपना परिवार मानते हैं और सबका साथ-सबका विकास-सबका सहयोग के नारे के साथ सरकार काम कर रही है।

राजीव चैंपियनशिप का हैदराबाद में होगा आयोजन

संवाददाता
लाडवा

पीसीसीएआई के बैनर के तले दिन दिवसीय 21 से 23 सितम्बर को भारत की टीमें (तीन) बनाकर आयोजन किया जा रहा है। भारत की तीन टीमें रेड, ग्रीन व येलो टीमों के मध्य होगा। जिसमे हरियाणा से 8 खिलाड़ी अलग अलग जिलों से चयनित किए गए है। कुरुक्षेत्र से अश्वनी वधावन, बलजीत गोयल हिसार, अजय विष्णु हिसार, जगन सिंह पलवल, सुनील कुमार फतेहाबाद,विनोद कुमार सोनीपत , जसकरन कुरुक्षेत्र एवं रोहित सिरसा से चयन हुआ। राजीव कप में रेड टीम कप्तान हरियाणा कुरुक्षेत्र से अश्वनी वधावन को बनाया गया। सभी खिलाड़ी 19 सितम्बर को हैदराबाद के लिए नई दिल्ली से रवाना होंगे। हरियाणा की माटी से निकले और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले पूर्व क्रिकेटर संजय भाटिया एक बार फिर से दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है। कुछ समय तक व्यक्तिगत कारणों के चलते दिव्यांग क्रिकेट गतिविधियों से दूर रहे संजय भाटिया चीफ पैटर्न फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीसीसीएआई) के रूप में फिर से सक्रिय भूमिका निभाएंगे। संजय भाटिया जो कि न केवल एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहे हैं, बल्कि हरियाणा की शान और समाज सेवा के मामलों में भी एक बड़ा नाम है,अब फिर से अभिव्यंग खिलाड़ियों के हौसले को नई उड़ान देंगे। क्रिकेट के मैदान पर कुछ अलग ही जज्बा और हौसला देखने को मिला अब चंडीगढ़,जम्मू कश्मीर और मेजबान हरियाणा की दिव्यांग क्रिकेट टीमें 4 और 5 अक्टूबर को अतिल क्रिकेट एकेडमी सोनीपत के मैदान पर एक दूसरे से भिड़ेंगी। इस दो दिवसीय टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पी.सी.सी.ए.आई और डी.ए.सी.एस.ए हरियाणा के संयुक्त बैनर तले किया जा रहा है। प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक अतिल क्रिकेट एकेडमी सोनीपत और केसरी न्यूट्रीशन के संस्थापक कृष्ण मलिक होंगे। विजेता टीम को 31 हजार रुपए व उप विजेता टीम को 21 हजार रुपए की राशि क्रिकेटर संजय भाटिया द्वारा प्रदान की जाएगी। यह जानकारी राज कुमार सुनसुना महासचिव डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा और सुरेंद्र कुमार खटक ने सांझा की। हरियाणा में संजय भाटिया क्रिकेटर के पुनः सक्रिय होने पर हरियाणा दिव्यांग क्रिकेट को नया आयाम व नई प्रेरणा मिलेगी हरियाणा के दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को इनके अनुभव और मार्गदर्शन से न केवल तकनीकी ज्ञान मिलेगा बल्कि मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संबल भी मिलेगा। संजय भाटिया ने कहा कि दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी किसी से भी कम नहीं है। इनमें खेल का जनून, समर्पण और देशभक्ति का जज्बा कूट कूट कर भरा हुआ है। हरियाणा दिव्यांग क्रिकेट टीम के कोच कृष्ण मलिक होंगे।

गौरव गौतम ने पलवल में अग्निशमन केंद्र का विधिवत भूमि पूजन किया

संवाददाता
चंडीगढ़

पलवल सेक्टर-2 में बनने वाला अग्निशमन केंद्र शहर में आगजनी घटनाओं पर काबू पाने में होगा कारगर साबित

हरियाणा सरकार के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने रविवार को पलवल के सेक्टर - 2 में बनने वाले अग्निशमन केंद्र के लिए भूमि पूजन कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। भूमि पूजन समारोह में पहुंचने पर खेल मंत्री श्री गौरव गौतम का हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन की ओर से स्वागत किया गया। खेल मंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि सेक्टर-2 में करीब डेढ एकड़ में लगभग पांच करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह अग्निशमन केंद्र स्वाभाविक रूप से आगजनी से संबंधित घटना होने पर उसे तुरंत प्रभाव से काबू पाने के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्य तीव्र गति से कराए जा रहे हैं। जो वादे किए थे वो लगातार पूरे करवाए जा रहे हैं। श्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में बिना भेदभाव के समान रूप से विकास हो रहा है। पलवल को स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और अन्य सभी जरूरी सुविधाओं के लिए विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। आने वाले समय में पलवल देश के विकसित और स्वच्छ शहरों में सबसे अग्रणी भूमिका में नजर आएगा। खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने पलवल के लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि वे सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में अपनी अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी देना सुनिश्चित करें।

अब राहुल गांधी सरकार की साजिशों को जनता के दरबार में रखेंगे, फैसला भी जनता ही करेगी: कुमारी सैलजा

संवाददाता
फरीदाबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा की केंद्र और राज्य की दोनों सरकार ने अभी तक हरियाणा को विशेष राहत पैकेज क्यों नहीं दिया जा रहा? क्या भाजपा सरकार आम जनता की पीड़ा से मुंह मोड़ चुकी है? सांसद ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अब सरकार की कुनीतियों को, साजिशों को जनता के दरबार में रखेंगे और अब फैसला भी जनता ही करेगी। सांसद कुमारी सैलजा फरीदाबाद जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा का एक बड़ा क्षेत्र इस समय बाढ़ की भयंकर चपेट में है। लोगों के घर ढह गए हैं, किसान की महीनों की मेहनत डूब गई है, छोटे दुकानदारों का सामान नष्ट हो गया है और छोटे उद्योग-धंधे पूरी तरह ठप हो गए हैं। बाढ़ की विभीषिका झेल रहे कुछ गांवों में तो लोगों के घरों में चूल्हा तक नहीं जल रहा है। मकानों में दरारें आ चुकी हैं, फर्श बैठ गए है, बाढ़ प्रभावित जिलों में कई कई हजार एकड़ फसले बर्बाद हो गई है। सांसद ने कहा कि फरीदाबाद औद्योगिक क्षेत्र है जहां पर उद्योगों को नुकसान हुआ है, काम धंधा ठप हो गया है श्रमिक भी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए है। ऐसे में राज्य और केंद्र सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम आगे बढ़ाना चाहिए और समय पर मुआवजा दिया जाना चाहिए ताकि लोग स्वयं को संभाल कर अगला कदम उठा सके। भाजपा अभी तक अपना राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुन पाई है और संगठन को लेकर कांग्रेस पर बार बार सवाल उठा रही को लेकर सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा को किसी पर उंगली उठाने से पहले अपने बारे में सोचना चाहिए। भाजपा केवल दिखावा करती है। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आते आते रह गई। सांसद ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की अनेक खामियों को उजागर किया, कई साजिशों का पदार्फाश किया पर सरकार मनमानी कर रही है। सांसद ने कहा कि राहुल गांधी अब जनता के बीच जाकर मुद्दे उठाएंगे और जनता को बताएंगे कि ये भाजपा सरकार किस प्रकार उनके हितों पर कुठाराघात कर रही है, अब तो जनता को ही फैसला करना होगा। सांसद ने कहा कि इन विकट हालात में हरियाणा सरकार द्वारा दिया जा रहा मुआवजा ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, फिर भी केंद्र सरकार की ओर से हरियाणा को विशेष राहत पैकेज क्यों नहीं दिया जा रहा? क्या भाजपा सरकार आम जनता की पीड़ा से मुंह मोड़ चुकी है? सांसद कुमारी सैलजा मांग की है कि बाढ़ प्रभावित किसानों को फसल का सौ प्रतिशत मुआवजा तुरंत दिया जाए, जिन दुकानदारों का माल और दुकानें बर्बाद हो गई हैं, उन्हें उचित वित्तीय सहायता प्रदान की जाए, छोटे और मध्यम उद्योगपतियों को ब्याज मुक्त ऋण और आर्थिक पैकेज दिया जाए, ताकि वे अपना धंधा फिर से शुरू कर सकें, प्रभावित परिवारों को पुनर्वास सुविधा और आवश्यक राहत सामग्री तुरंत उपलब्ध कराई जाए। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रतिनिधियों को चाहिए कि वे सिर्फ कागजी बयानबाजी न करें, बल्कि जमीन पर उतरकर वास्तविक स्थिति का आंकलन करें और हर प्रभावित परिवार तक पर्याप्त मदद पहुंचाएं।

सांसद खेल महोत्सव में युवाओं को मिलेगा राष्ट्रीय पहचान का मंच: सुभाष बराला

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। यह आयोजन युवाओं को खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का अवसर प्रदान करेगा।

सांसद श्री सुभाष बराला रविवार को टोहाना स्थित दमकौरा स्टेडियम पहुंचे और खिलाड़ियों को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी 20 सितम्बर तक इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण करवा सकते हैं और अपनी रुचि के अनुसार प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं।

श्री सुभाष बराला ने बताया कि इस महोत्सव में 12 प्रमुख खेलों वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, नेशनल कबड्डी, दस ओवर क्रिकेट, हॉकी, हैंडबॉल, जेवलिन थ्रो, शॉट पुट, लांग जंप, बॉक्सिंग, 100 और 400 मीटर रेस प्रतिस्पर्धा होगी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता तीन स्तरों झ्र ग्राम/नगर स्तर, विधानसभा स्तर और लोकसभा स्तर पर आयोजित की जाएगी। ग्राम और नगर से प्रारंभ होकर विजेता टीमें ब्लॉक और विधानसभा स्तर तक पहुंचेगी और अंततः लोकसभा स्तर पर मुकाबले होंगे।

सांसद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव देश का सबसे बड़ा खेल आयोजन है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच देना है। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया है और इसमें युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

दमकौरा स्टेडियम की भव्यता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए सांसद ने कहा कि यह स्टेडियम इस क्षेत्र के साथ-साथ अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के लिए भी प्रशिक्षण का केंद्र बन चुका है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को यहां प्रशिक्षण के लिए अवश्य भेजें ताकि उनकी खेल प्रतिभा निखर सके।

रामलीला में दशरथ मरण का भावपूर्ण मंचन

अनिल गोयल
लाडवा

जय भारत कला मंच द्वारा आयोजित रामलीला मंचन में कल एक और मार्मिक दृश्य प्रस्तुत किया ! इस बार रामायण के अयोध्या कांड का हृदय स्पर्शी दृश्य ह्यदशरथ मरणह्न प्रस्तुत किया गया, जिसमें राम के वनवास जाने की खबर सुनकर राजा दशरथ का देहांत हो जाता है। मंचन इतना जीवंत और भावुक था कि दर्शक आंसू नहीं रोक सके, और अयोध्या नगरी शोकमय वातावरण में डूब गई।

इस विशेष प्रदर्शन में प्रमुख भूमिकाओं को निभाने वाले कलाकारों ने अपनी अभिनय कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विक्की मलिक जी ने भगवान राम की भूमिका निभाई, जिन्होंने वनवास की लीला को सादगी और भक्ति के साथ जीवंत किया। राजीव अंग्रीष ने केवट (नाविक) का किरदार बखूबी निभाया, जो राम-केवट संवाद के प्रसंग में अपनी भक्ति से दर्शकों का दिल जीत लिया। अश्वनी गोस्वामी जी ने राजा दशरथ की भूमिका में जबरदस्त अभिनय किया, जिसमें राम वियोग के दर्द को इतनी सच्चाई से व्यक्त किया कि दर्शक भाव-विभोर हो गए। मोनू शर्मा ने सुमंत (राजा के मंत्री) का रोल निभाया, जबकि पंकज गर्ग ने राजा गुहू (निषादराज) की भूमिका में सेवा और समर्पण का प्रतीक बने।

कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में एड्यूस्कोप के मालिक व भाजपा जिला कुरुक्षेत्र कोषाध्यक्ष अंकुश गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने मंच पर पहुंचकर कलाकारों को बधाई दी और कहा कि रामलीला न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का माध्यम भी है। श्री गोयल ने दर्शकों से अपील की कि वे राम के आदर्शों को जीवन में उतारें, ताकि समाज में मयार्दा, भक्ति और एकता का संदेश फैले।

रामलीला समिति प्रधान रॉकी शर्मा के अनुसार, यह मंचन लाड़वा की परंपरागत रामलीला का हिस्सा है, जो हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। कलाकारों ने देर रात तक अपनी प्रस्तुति दी, और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। समिति ने आगामी दिनों में भरत मिलाप और अन्य प्रसंगों का भी मंचन करने की घोषणा की है। यह आयोजन रामायण के मूल्यों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का किया सफल आयोजन

लाडवा। मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल मथाना चौंकी में दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला की शुरूआत सरस्वती दीप प्रज्वलन और वंदना करके की गई। इस कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सन अर्चना मैडम एवं धर्मेंद्र सर के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिन भाषा शिक्षण की नवीन तकनीकों पर चर्चा की गई। जिसमें शिक्षकों को हिंदी अध्यापन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों एवं नवाचारों से परिचित कराया गया। द्वितीय दिन व्यावहारिक सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों ने संवाद, समूह कार्य और प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों के माध्यम से भाषा शिक्षण की विधियों का प्रैक्टिकली अनुभव किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने दोनों रिसोर्स पर्सन्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शिक्षकों को नवीन शैक्षिक पद्धतियों से जोड़कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। विद्यालय प्रबंधन समिति ने भी इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में ऐसे शैक्षिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन का आश्वासन दिया। दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला शिक्षकों के लिए अत्यंत लाभप्रद एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई।

श्री राम हनुमान रामलीला समिति ने मंच निर्माण प्रारम्भ किया

लाड़वा। शहर की धार्मिक मंचीय संस्था श्री राम हनुमान रामलीला समिति द्वारा 18 सितंबर से प्रारम्भ हो रही रामलीला के लिए मंच लगाने का कार्य प्रारम्भ किया गया। समिति के अखाड़ेदार घनश्याम कम्बोज ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा 18 सितंबर से ठाकुरी देवी स्कूल के बाहर रामलीला ग्राउंड में रामलीला मंचन प्रारम्भ किया जाना हैं। जिसके लिए मंच निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के लिए बल्ली पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें पीड़ित गौवंश उपचार समिति के प्रधान रोहित महंत सहित सदस्यों गौरव नीलवान ने मुख्य यजमान के रूप में शिरकत की व बल्ली का पूजन कर हनुमान जी का झंडा लगाने का कार्य किया। समिति के सरंक्षक जोगध्यान ने इसका उद्देश्य बताते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी भी इमारत निर्माण से पहले भूमि पूजन किया जाता है। उसी प्रकार मंच निर्माण से पहले भूमि पूजन और मंच निर्माण में प्रयोग होने वाली बल्ली का पूजन किया जाता है। पंडित नरेश नौटियाल द्वारा पूजन विधि विधान से कराया गया। पीड़ित गौवंश उपचार समिति के प्रधान रोहित महंत ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान राम के हर कार्य में सर्वप्रथम हनुमान जी का आह्वान किया जाता है।

सीएम सिटी लाड़वा को बनाया जाएगा हरियाणा में नंबर वन : नीरज सैनी

लाड़वा। लाड़वा मे मुख्यमंत्री नायाब सैनी के सपने को पूरा करने के लिए लाड़वा मे सफाई अभियान जोरों शोरों से चल रहा है। नगर पालिका सचिव नीरज सैनी ने पत्रकारों से बातचीत कर जानकारी देते हुए बताया कि लाड़वा के इंद्री चौक के नजदीक लाड़वा शहर को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए हिनोरी चौंक पर जीवीपी प्वाइंट को खत्म कर पोधारोपण कर गमले रख सौंदर्यीकरण किया। नगरपालिका सचिव ने पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण भी किया। साथ ही सभी दुकानदारों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि शहर में इधर उधर कूड़ा न डाले और नगर पालिका द्वारा लगाए गए वाहनों मे ही कूड़ा गीला ,सूखा कचरा अलग अलग डाले। सभी शहरवासियों से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि शहर को साफ सुथरा रखने मे नगरपालिका का सहयोग करें। यदि कोई दुकानदार या शहर वासी कूड़े को इधर उधर कूड़ा डालता पाया गया तो उसका चालान भी किया जाएगा। स्वच्छता अभियान मे सचिव के साथ सफाई इन्स्पेक्टर संजय कुमार, साहिल कुमार के साथ नगरपालिका का सफाई स्टाफ उपस्थित रहा।

हमें संत महापुरुष जीने की राह दिखा कर हमारा जीवन सफल बनाने की देते हैं प्रेरणा

लाडवा। मुस्तफाबाद रोड स्थित श्री गुरु रविदास आश्रम में मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता महात्मा गुरपाल दास ने की। गुरु रविदास जी की आरती से सत्संग का शुभारंभ संजीव सलेमपुर द्वारा किया गया। महात्मा गुरपाल दास ने आए हुए संतो में श्रद्धालुओं का गुरु रविदास जी की वाणी से मन मोह लिया। इस अवसर पर एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। महात्मा गुरपाल दास ने बताया कि 27 सितंबर दिन शनिवार को सतगुरु स्वामी समन दास जी के जन्मदिन के उपलक्ष में एक वार्षिक सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर जगमाल, नरेश कुमार, धनु दास, सतपाल, दीपक, रवि, रिंकू, रूपा देवी, किरण, मनीषा, पूजा, सुदेश, उषा, अंग्रेजो रानी, अनु रानी व इमना कुमार कटारिया सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। वही एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए कृषि मंत्री ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश में सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश भर में कृषि विभाग, बागवानी विभाग और मत्स्य विभाग मिलकर किसानों को केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

मंत्री चंडीगढ़ में आगामी सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर आयोजित विभागीय अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस (17 सितंबर) से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक चलने वाला यह सेवा पखवाड़ा किसानों तक योजनाओं की पहुंच बनाने का अहम माध्यम होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस सेवा पखवाड़ा को एक जनआंदोलन का रूप दें और गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद करें। उन्होंने निर्देश दिए कि इस पखवाड़ा के दौरान विशेष अभियान चलाकर किसानों को फसल विविधिकरण, आधुनिक कृषि, नई फसल किस्मों, अन्नत बीजों व नवीन रोपण तकनीकों की प्रदर्शनी लगाकर जागरूक करें। इसी तरह से मत्स्य पालन और बागवानी की उन्नत विधियों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाए। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, हरियाणा सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, ड्रिप इरिगेशन, माइक्रो इरिगेशन जैसी योजनाओं की जानकारी भी किसानों तक पहुंचाई जाए।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और उन्हें समय पर जानकारी तथा तकनीकी सहायता देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभाग प्रयास करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम का विस्तृत कैलेंडर तैयार करें और इसकी रिपोर्ट नियमित रूप से विभाग को भेजें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिला और खंड स्तर पर किसान गोष्ठियां आयोजित की जाएगी, जिनमें किसानों को उन्नत बीज, जल संरक्षण तकनीकों और कृषि यंत्रों के प्रदर्शन की जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार मत्स्य पालन और बागवानी विभाग भी अपने-अपने क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं पर किसानों को प्रेरित करेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल योजनाओं की जानकारी तक सीमित न रहे, बल्कि इसका उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आय बढ़ाना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनें और मौके पर ही समाधान करने का प्रयास करें।

उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा में सेवा पखवाड़ा किसानों के बीच एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करेगा तथा राज्य की कृषि व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पखवाड़ा के दौरान अनाज मंडियों, सब्जी मंडियों व परचेज सेंटरों की नियमित रूप से सफाई करवाई जाए। दुकानों के बाहर ड्रम रखे जाएं, ताकि कूड़ा उसमें डाला जा सके। यह सफाई लगातार जारी रहनी चाहिए, ताकि किसानों को दिक्कत न हो।

उन्होंने कहा कि किसानों और बेरोजगार युवाओं को राज्य मत्स्य विभाग पीएमएमएसवाई और पीएमएमकेएसएसवाई के बारे में जागरूक करें। पंचायती तालाबों का उपयोग मछली पालन के लिए कर आजीविका में सुधार करना है। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, बागवानी विभाग और मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

संपादकीय

विदेशों में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ता आक्रोश: लाखों भारतीय एनआरआईज के लिए खतरे की घंटी!

इस में कोई दो राय नहीं है कि भारतीय प्रवासी समुदाय दुनिया के हर कोने में बसा हुआ है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, लगभग 3.2 करोड़ भारतीय मूल के लोग विभिन्न देशों में रह रहे हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा एनआरआईज के रूप में जाना जाता है। यह समुदाय न केवल भारत के सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाता है बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान देता है। एनआरआईज हर साल अरबों डॉलर की राशि भारत भेजते हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा भंडार और विकास को मजबूती मिलती है। लेकिन हाल के वर्षों में कई देशों में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ता आक्रोश एक चिंता का विषय बनता जा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के कई देशों से आए समाचार बताते हैं कि भारतीय मूल के लोग वहां नस्लीय भेदभाव, हिंसा और असुरक्षा की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए। विदेशों में प्रवासियों खास कर भारतीयों के खिलाफ बढ़ते असंतोष के पीछे कई वजहें सामने आई हैं। आर्थिक प्रतिस्पर्धा - कई देशों में यह धारणा बन गई है कि प्रवासी भारतीय स्थानीय लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं। विशेषकर आईटी सेक्टर, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापार में भारतीयों की तेजी से बढ़ती उपस्थिति ने कुछ वर्गों में असंतोष को जन्म दिया है। सांस्कृतिक टकराव-भारतीय अपनी संस्कृति और परंपराओं को साथ लेकर चलते हैं। कई बार यह स्थानीय संस्कृति से मेल न खाने पर असहज माहौल पैदा करता है, जिसे कुछ समूह 'बाहरी प्रभाव' मानकर विरोध करने लगते हैं। राजनीतिक कारण - कुछ देशों की आंतरिक राजनीति में प्रवासी मुद्दा बड़ा हथियार बन चुका है। सत्ताधारी दल प्रवासियों को बलि का बकरा बनाकर जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास करते हैं। नस्लीय भेदभाव - रंगभेद और नस्लवाद अभी भी कई पश्चिमी देशों की बड़ी समस्या है। भारतीयों सहित एशियाई मूल के लोग अक्सर इसका शिकार बनते हैं। गत हाल के घटनाक्रमों की बात करें तो पिछले कुछ महीनों में कनाडा और ब्रिटेन से भारतीयों के खिलाफ हिंसा की खबरें आई हैं। कनाडा में भारतीय छात्रों और कामकाजी युवाओं पर हमले बढ़े हैं। ब्रिटेन में भी दक्षिण एशियाई समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणियां और हमलों के मामले सामने आए। अमेरिका में नस्लीय गोलीबारी की घटनाओं में भारतीय मूल के लोग मारे गए हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में भी भारतीय मूल के प्रवासियों को स्थानीय असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति इस तथ्य को और गंभीर बनाती है कि इन देशों में लाखों भारतीय बसे हुए हैं और भारत के लिए ये बाजार और संबंध दोनों ही रणनीतिक महत्व रखते हैं। अब बात करते हैं भारत सरकार की जिम्मेदारी की। भारतीय संविधान हर नागरिक की सुरक्षा की गारंटी देता है, चाहे वह देश के भीतर हो या बाहर। विदेशों में बसे भारतीयों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए भारत सरकार को बहु-आयामी कदम उठाने होंगे। भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों को उन देशों की सरकारों से लगातार संवाद करना चाहिए जहां भारतीयों पर हमले हो रहे हैं। स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारतीय समुदाय की सुरक्षा से समझौता स्वीकार्य नहीं है। प्रवासी भारतीयों को तुरंत कानूनी और काउंसलिंग सहायता उपलब्ध कराने के लिए विशेष तंत्र होना चाहिए। 24*7 हेल्पलाइन, मोबाइल ऐप और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें आपातकालीन मदद दी जा सकती है भारतीय प्रवासी संगठनों को सक्रिय करके एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना चाहिए ताकि किसी भी संकट की घड़ी में सामूहिक सहयोग मिल सके विदेश जाने वाले छात्रों और कामगारों को पहले ही सुरक्षा नियमों और स्थानीय कानूनों की जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे वे खुद को संभावित खतरों से बचा सकें जिन परिवारों के सदस्य विदेश में हमलों का शिकार होते हैं, उन्हें भारत सरकार से आर्थिक सहायता और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रवासी भारतीयों ने विश्व स्तर पर भारत की साख बढ़ाई है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों के शीर्ष पदों पर भारतीय मूल के लोग बैठे हैं। खेल, विज्ञान, राजनीति और कला के क्षेत्र में भी भारतीय समुदाय ने अपनी प्रतिभा से वैश्विक पहचान बनाई है। यही कारण है कि आज भारत को 'वैश्विक भारतीयता' पर गर्व है हर साल एनआरआईज भारत को लगभग 90 अरब डॉलर से अधिक का रेमिटेंस भेजते हैं। यह राशि भारत की जीडीपी और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत बनाने में अहम योगदान देती है। इसलिए उनकी सुरक्षा केवल मानवता का प्रश्न नहीं है, बल्कि भारत की आर्थिक और रणनीतिक जरूरत भी है। प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल भारत सरकार का ही नहीं, बल्कि उन देशों की भी जिम्मेदारी है जहां वे रहते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'शून्य सहिष्णुता' नीति अपनानी होगी ताकि नस्लीय भेदभाव और हिंसा की घटनाओं पर तुरंत और कड़ी कार्रवाई हो। भारत सरकार को चाहिए कि वह बहुपक्षीय मंचों-जैसे संयुक्त राष्ट्र, जी 20 और राष्ट्रमंडल-पर इस मुद्दे को उठाए और प्रवासी सुरक्षा को वैश्विक एजेंडा का हिस्सा बनाए। इसके अलावा, भारत को अपने प्रवासियों के बीच भी भरोसा जगाना होगा कि संकट की घड़ी में उनका देश हमेशा उनके साथ खड़ा है। भारत सरकार को राजनयिक, कानूनी और सामाजिक स्तर पर मजबूत कदम उठाने होंगे ताकि भारतीय प्रवासियों को सुरक्षित माहौल मिल सके और वे गर्व से यह कह सकें कि उनका देश हर परिस्थिति में उनके साथ है।

नरेंद्र मोदी और कार्यकर्ता निर्माण: संगठन की असली ताकत

बी एल संतोष

'संगठन की शक्ति वहीं खिलती है, जहाँ कार्यकर्ता तपस्वी बनकर खड़े होते हैं।' - यही दर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन यात्रा और उनके सामाजिक-संगठनिक दृष्टिकोण का मूल मंत्र रहा है। नरेंद्र मोदी ने हमेशा कार्यकर्ताओं को संगठन का हृदय माना और उन्हें तैयार करना, प्रशिक्षित करना और सशक्त बनाना अपने प्राथमिक कार्यों में रखा। उनका मानना था कि संगठन केवल ढाँचा नहीं है, बल्कि उस ढांचे में कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुशासन और समर्पण ही असली ताकत है।

नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक बने 1970 के शुरुआती दौर में। 1977 में आपातकाल के बाद, जब वे विभाग प्रचारक के रूप में एक कुशल संगठनकर्ता बनकर उभरे, तब उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता निर्माण रहा। 1980 के दशक में गुजरात में संगठन का विस्तार बहुत सीमित था। उस समय किसी एक तालुका में शाखा स्थापित करना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। लेकिन युवा नरेंद्र मोदी की दृष्टि अलग थी। उनका मानना था – 'हर गाँव में शाखा होनी चाहिए।' इसके लिए वह हर शाखा की जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को देते और समय-समय पर उसकी प्रगति की जानकारी लेते। कौन मुख्य शिक्षक है, क्या गतिविधियाँ हुईं, कौन शाखा में अनुपस्थित रहा और क्यों– इन सब विवरणों पर बारीकी से ध्यान रखा जाता।

संघ के 60 वर्ष पूरे होने पर 1985 में कर्णावती (अहमदाबाद) में एक विशाल शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में लगभग 5000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। शिविर की पूर्व तैयारी में मोदी गाँव-गाँव जाकर युवाओं से संपर्क करते और उन्हें गणवेश खरीदने हेतु प्रेरित करते। परिणामस्वरूप, सैकड़ों नए युवा न केवल शिविर में पहुँचे बल्कि संगठन से स्थायी रूप से जुड़ भी गए। इसने गुजरात संघ में एक नई ऊर्जा डालने का काम किया, और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के निर्माण की भी शुरूआत हुई।

मोदी कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और व्यवस्थित रूप से काम करना सिखाते थे। उदाहरण के लिए, 1980 के दशक की शुरूआत में राजकोट के पी.डी. मालवीय कॉलेज में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेने वाले कार्यकर्ता अभी भी याद करते हैं कि उन्होंने स्थानीय लोगों से सर्वे कर संगठन की छवि समझने और परिणामों को सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का नया प्रयोग कराया। परिणामस्वरूप, यह केवल सीख ही नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक तरीकों और योजनाबद्ध सोच का संदेश भी था।

नरेंद्र मोदी कार्यकताओं को आचरण और शिष्टाचार के व्यावहारिक उदाहरणों से प्रेरित करते थे। छोटी आदतें, जैसे सुव्यवस्थित रहना, दरवाजा खटखटाकर प्रवेश करना, घरवालों का आत्मीयता से कुशल-क्षेम पूछना – यह सब उन्हें जिम्मेदार और सम्मानित कार्यकर्ता बनाते थे। उनके प्रशिक्षण से कार्यकर्ता न केवल संगठन के सदस्य बने, बल्कि समाज में आदर्श प्रतिनिधि भी बने। मोदी कठिन परिस्थितियों एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के समय कार्यकताओं और उनके परिवारों को व्यक्तिगत नैतिक सहयोग दिया करते थे, जिसे अनेक कार्यकर्ता आज भी कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

1987 में भाजपा गुजरात के संगठन मंत्री बनकर उन्होंने यही कार्यकर्ता निर्माण राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकताओं के लिए भी करने शुरू किया। 1980 के दशक में गुजरात भाजपा के संगठन पर्व के माध्यम से हजारों नए कार्यकर्ता संगठन से जुड़े। अनुशासन और जवाबदेही मोदी की कार्यशैली का मूल था। उन्होंने कार्यकताओं को सबक दिया कि अनुशासन, समर्पण और जवाबदेही संगठन की मजबूती की नींव हैं। वे खुद बैठकों में एक मिनट भी देर नहीं करते थे, और अगर कोई देर से आता, तो उन्हें बाहर रहकर बैठक में भाग लेने को कहते थे।

मोदी ने संगठन में सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति दोनों में नई दिशा दी। पदाधिकारियों के चयन में सामाजिक संतुलन सुनिश्चित की और 1987 के अहमदाबाद नगर निगम चुनावों में 'बूथ जीतो' रणनीति से कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय और लक्ष्य केंद्रित बनाया।

साथ ही, मोदी व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को आत्मविश्वास और क्षमता बढ़ाते थे। पहली बार पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ता को उन्होंने भरोसा दिलाया और बूथ संगठन, सदस्यता विवरण और सामूहिकता के महत्व की व्याख्या विस्तार से करते थे। परिणामस्वरूप, केवल कुछ महीनों में लाखों नए सदस्य जुड़े और मजबूत कार्यकर्ता खड़े हुए।। भाजपा संगठन मंत्री रहते हुए उन्होंने 'टिफि न बैठक' जैसी पहल से कार्यकताओं और उनके परिवारों को संगठन से भावनात्मक रूप से जोड़ा।

संगठन निर्माण में मोदी केवल ढाँचे और रणनीति तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता बनने की शिक्षा दी। वरिष्ठ कार्यकताओं को कनिष्ठों के साथ सहयोग और जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। आलोचना पर संतुलित प्रतिक्रिया और प्रशंसा पर संयम, ये सब मोदी की कार्यकर्ता-निर्माण की मूल रणनीति का हिस्सा थे।

नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट था – संगठन की असली ताकत कार्यकताओं में है। अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना से भरे ऐसे कार्यकर्ता किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं। यही कारण है कि आज संगठन केवल राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना बन चुका है। मोदी की कार्यकर्ता-निर्माण की यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश देती है कि यदि जड़ों को सींचा जाए, तो शाखाएँ अपने आप फलती-फूलती हैं और वृक्ष युगों तक अडिग खड़ा रहता है।

लेखक भारतीय जानता पार्टी के राष्ट्रीय महा सचिव हैं। ये लेखक के निजी विचार हैं

आज का राशिफल

मेष: आज आपके कार्यों की गति कुछ धीमी रह सकती है। परिवार के सदस्यों से तालमेल में दिक़्कत आ सकती है। झूठी प्रशंसा से बचें। सेहत में कफ या सूखी खाँसी परेशान कर सकती है। अपनी योजनाओं को गुप्त रखना बेहतर होगा।

वृषभ: नई तकनीक अपनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। व्यापार में नए अवसर और सौदे मिलेंगे। दूसरों की बातों से प्रभावित न हों। नौकरीपेशा लोगों के लिए पदोन्नति के योग हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन: दिनचर्या को संतुलित रखना आपके लिए जरूरी है। मन में गुस्सा और असंतोष आ सकता है। परोपकार की भावना से काम करेंगे। परिजन आपकी आदतों से खिन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य के लिए व्यायाम को आज प्राथमिकता दें।

कर्क: पेट संबंधी समस्या, विशेषकर एसीडिटी परेशान कर सकती है। संवाद से विवाद सुलझाने में सफलता मिलेगी। दूसरों की सलाह पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। काम की गुणवत्ता बनाए रखें। लक्ष्यों को लेकर थोड़ी उदासी महसूस हो सकती है।

सिंह: काम और परिवार के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मनोरंजन पर खर्च होगा। पुरानी समस्या का हल मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों से लाभ होगा। दांपत्य जीवन में चल रही कड़वाहट कम होगी।

कन्या: आज मानसिक स्थिति बेहद अच्छी रहेगी। संपत्ति बेचने की योजना सफल हो सकती है। परोपकार की भावना मजबूत होगी। लक्ष्यों पर फोकस बनाए रखेंगे। भविष्य से जुड़े बड़े निर्णय लेंगे। समय पर सभी कार्य पूरे कर पाएंगे।

तुला: नए व्यवसाय को लेकर उत्साह रहेगा। छात्रों को अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नजदीकी लोगों की मदद करनी पड़ सकती है। सामाजिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक: आज के दिन रुका हुआ धन कठिनाई से हाथ आएगा। आज के दिन लंबे समय के लिए निवेश टालें। शत्रुओं को परास्त कर पाएंगे। आज के दिन धार्मिक विचारों का प्रभाव रहेगा। बुद्धि और तार्किक क्षमता बढ़ेगी।

धनु: दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। परिवार की सेहत अच्छी रहेगी। आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

मकर: आज के दिन दूसरों पर दबाव डालने से बचें। आज के दिन स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें। पुराने विवाद परेशानी बढ़ा सकते हैं। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे। घमंडी व्यक्तियों से दूरी बनाए रखें।

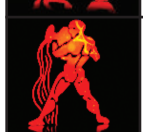

कुंभ: उच्च शिक्षा में बाधाएं दूर होंगी। आज के दिन लेखन और चिंतन में समय बितेगा। भाई-बहनों से प्रेमपूर्ण संबंध बनेंगे। सहकर्मियों से सहयोग बनाए रखें। मन को शांत रखें। योग्य व्यक्तियों से मार्गदर्शन मिलेगा।

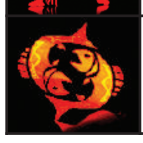

मीन: आज के दिन जीवन में सकारात्मकता बनी रहेगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बितेगा। व्यापार में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शेयर बाजार से लाभ संभव है। रचनात्मकता बढ़ेगी। परिवारजन आपकी आदतों से प्रसन्न रहेंगे।

पतन से प्रगति तक: पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत ?

हरदीप सिंह पुरी

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए। 2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है। इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग 1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग 28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025-26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को 96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने 24 लाख करोड़ से ज्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके जरिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ.5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफर तेज, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ.लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है।

शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-क्क (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज यातायात प्रणाली–दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)–पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफर एक घंटे से कम समय में तय होगा। ये तेज और एकीकृत परिवहन प्रणालियां नए भारत के लिए एक नई महानगरीय सोच को आकार दे रही हैं।

एक्सप्रेसवे अब शहरों के बीच की आवाजाही का नया चेहरा बन रहे हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे, दिल्ली- मेरठ एक्सेस-नियंत्रित कॉरिडोर और मुंबई कोस्टल रोड ने दूरी घटा दी है और बड़े वाहनों को शहर की गलियों से बाहर निकालकर हवा को साफ किया है। मुंबई में देश का सबसे लंबा समुद्री पुल अटल सेतु अब टापू जैसे शहर को मुख्य भूमि से सीधे जोड़ता है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है और पश्चिम भारत में विकास का नया केंद्र बनने जा रही है।

समावेशन भी हमेशा प्राथमिकता में रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने 68 लाख से ज्यादा रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी वाला कर्ज. और डिजिटल सुविधा दी है, जिससे छोटे उद्यमियों को रोजगार फिर से खड़ा करने और औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का मौका मिला है। पीएम आवास योजना (शहरी) के तहत 120 लाख से अधिक मकानों की मंजूरी दी गई, जिनमें से लगभग 94 लाख पूरे हो चुके हैं। लाखों परिवार, जो पहले झुग्गियों में रहते थे, अब सुरक्षित पक्के घरों में रह रहे हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि बदली हुई ज़िंदगियां और नयी उम्मीदें हैं।

ऊर्जा सुधार ने शहरी जीवन को और सुविधाजनक बनाया है। जहां पहले रसोई महंगे और अनिश्चित गैस सिलेंडर बुकिंग पर निर्भर थी, अब पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आम होती जा रही है, जो अधिक सुरक्षित, साफ और सुविधाजनक है। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन 2014 में सिर्फ.57 क्षेत्रों तक सीमित था, जो अब बढ़कर 300 से अधिक हो गया है। घरेलू पीएनजी कनेक्शन 25 लाख से बढ़कर 1.5 करोड़ से ऊपर पहुंच गए हैं, जबकि हजारों सीएनजी स्टेशन सार्वजनिक परिवहन को और स्वच्छ बना रहे हैं। अब लाखों शहरी घरों में नल घुमाकर ईंधन मिलना हकीकत बन चुका है।

भारत ने अब दुनिया की मेजबानी करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है। भारत मंडपम ने सफलतापूर्वक जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित किया। यशोभूमि अब दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में शामिल है, जहां एक साथ हजारों प्रतिनिधियों का स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा और नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेजबानी कर सकते हैं। यह सब तब अकल्पनीय था जब हमारे नागरिक ढांचे की पहचान टूटे-फूटे हॉल और खस्ताहाल स्टेडियम हुआ करते थे।

परिवहन का आधुनिकीकरण बड़े पैमाने और तेजी से हो रहा है। 2014 में जहां सिर्फ.74 हवाईअड्डे चालू थे, आज वह संख्या बढ़कर लगभग 160 हो गई है। यह संभव हुआ है उड़ान योजना और लगातार निवेश की वजह से। वंदे भारत ट्रेनें अब 140 से अधिक रूटों पर चल रही हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में यात्रा का समय काफी घटा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है, जिनमें से सौ से ज्यादा का उद्घाटन हो चुका है। दिल्ली में विस्तारित टर्मिनल-1 ने आईजीआई हवाईअड्डे की क्षमता 10 करोड़ यात्रियों से अधिक कर दी है, जिससे हमारी राजधानी दुनिया के बड़े हवाई केंद्रों की सूची में शामिल हो गई है।

समझदारी भरी कर नीति ने उपभोक्ताओं और विकास दोनों को सहारा दिया है। हाल ही में हुई जीएसटी सुधार के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5% और 18% की दरों में रखा गया है। ऊंचे टैक्स सिर्फ.कुछ नशे और विलासिता की चीजों पर ही लगाए गए हैं। रोजमर्रा की जरूरी चीजों से लेकर कई घरेलू सामानों पर टैक्स घटा है, छोटे कार और दोपहिया वाहन अब कम जीएसटी पर मिलते हैं। कई दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी सस्ते हो गए हैं। शहरी परिवारों के लिए इसका मतलब है कि महीने के खर्च कम होना, खपत बढ़ना और निवेश व रोजगार का सकारात्मक चक्र चलना।

मैंने लंबे समय तक एक राजनयिक के रूप में विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और वहां मैंने देखा कि कैसे शहर किसी देश का चेहरा बन जाते हैं? वियना की रिंगस्ट्रासे, न्यूयॉर्क की ऊंची इमारतें या पेरिस की चौड़ी सड़कें- ये सब राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा का प्रतीक थीं। तब मुझे साफ समझ आया कि दुनिया की नजरें सबसे पहले किसी देश के शहरों पर जाती हैं। यही विश्वास मेरे शहरी कार्य मंत्रालय के काम का आधार बना कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और हमारे दूसरे शहर एक उभरते भारत का आत्मविश्वास, आधुनिकता और आकांक्षाएं दिखाएं। जैसे मेरे राजनयिक करियर ने मुझे सिखाया कि भारत की छवि दुनिया में कैसे प्रस्तुत करनी है, वैसे ही मंत्री के रूप में मेरा काम रहा है कि हमारे शहर उस छवि के लायक बनें।

यह है बदलाव की यात्रा: आजादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पाइप्ड नेचुरल गैस तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेजबान तक।

पाटलिपुत्र और नालंदा जैसे भारत के प्राचीन शहर कभी शहरी सभ्यता की उच्चता के प्रतीक थे। आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय शहर फिर उसी राह पर हैं, आधुनिक लेकिन मानवीय, महत्वाकांक्षी होते हुए भी समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण वाले होते हुए भी जड़ों और मूल्यों से जुड़े हुए। नया शहरी भारत एक दिन में नहीं बन रहा है, बल्कि यह हर दिन बन रहा है- ईंट दर ईंट, ट्रेन दर ट्रेन, घर दर घर। और यह पहले से ही करोड़ों लोगों की ज़िंदगी बदल रहा है।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

समाज के सुनहरे भविष्य के निमार्ता इंजीनियर

मनमोहन सिंह

भारत भर में हर साल 15 सितंबर को इंजीनियर दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष दिन का उद्देश्य इंजीनियरिंग क्षेत्र में इंजीनियरों की उपलब्धियों की प्रशंसा करना और उन्हें और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना है।

यह बताना आवश्यक है कि यह दिन हमारे भारत देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न पुरस्कार विजेता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की स्मृति में मनाया जाता है। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने भारत के विकास और खुशहाली में बहुत बड़ा योगदान दिया। डॉक्टर एम. विश्वेश्वरैया ने भारत में कई बांध बनाए, जिनमें कृष्णराज सागर डैम, पुणे के खड़कवासला रिजर्वायर में डैम और ग्वालियर का टिगरा डैम शामिल हैं। इनकी योजना वर्ष 1909 में बनी थी और यह वर्ष 1932 में पूरी हुई। उन्होंने मैसूर सरकार के सहयोग से कई कारखाने और शैक्षिक संस्थान स्थापित किए। डॉक्टर विश्वेश्वरैया के इन योगदानों के बाद उन्हें देशभर में मान्यता मिली।

भारत में सिविल इंजीनियरों के महानायक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस मनाया जाता है। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया भारत के पहले सिविल इंजीनियरों में से एक थे जिन्हें वर्ष 1955 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस, मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के कार्यों का सम्मान करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अन्य इंजीनियरों को भी याद करने का दिन है, जिनकी कड़ी मेहनत ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास में अमूल्य योगदान दिया है।

दुनिया भर में विभिन्न इंजीनियरिंग क्षेत्रों – विशेषकर मैकेनिकल, टेलीकम्युनिकेशन, सिविल, इलेक्ट्रिकल, मेडिकल और केमिकल इंजीनियरिंग – के विस्तार और विकास ने मानव जीवन को सुखमय बनाने के साथ-साथ उद्योग और कृषि क्षेत्रों में क्रांतिकारी सुधार लाकर बढ़ती जनसंख्या की चुनौती को स्वीकार करते हुए समाज के हर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जहाँ विज्ञान ने विभिन्न क्षेत्रों में जो भी नई तकनीकें विकसित की हैं, उन्हें खोजने और विकसित करने में इंजीनियरों की सोच और अथक मेहनत ही इसका मुख्य आधार है। इनके बिना आज के युग में सुखमय मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

किसी ने एक इंजीनियर से पूछा कि आप इंजीनियर होने पर अपने आप पर गर्व क्यों महसूस करते हैं? उस इंजीनियर ने भावुक लहजे में उत्तर दिया कि जैसे डॉक्टर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों का भविष्य बीमारियों को रोकने पर निर्भर करता है और कानूनी क्षेत्र से जुड़े लोग न्याय दिलाने पर, वैसे ही एक इंजीनियर ही है जिसकी मेहनत और सोच से लोगों की खुशहाली, देश और कौम की तरक्की निर्भर करती है। इसी कारण मुझे गर्व है कि मैं भी उन इंजीनियरों में से एक हूँ।

इंजीनियर वर्ग को समाज का सुनहरा भविष्य निमार्ता इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि वे सिर्फ तकनीकी विशेषज्ञ नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण वाले महान शिल्पकार हैं जिनकी सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार देश को तरक्की की राह पर ले जाता है। इंजीनियर चुपचाप उन बुनियादों को मजबूत करते हैं जिन पर राष्ट्र का वर्तमान टिका है और भविष्य की ऊँची इमारतें खड़ी होती हैं। इंजीनियरों की सोच से बने बुनियादी ढाँचे न केवल नागरिकों का जीवन आसान बनाते हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करते हैं और नए रोजगार के साधन पैदा करते हैं। खुशहाली, जो किसी भी समाज का सपना होती है, वह इंजीनियरों के सृजनात्मक प्रयासों से ही संभव होती है।

लेखक से बातचीत के दौरान पावरकॉम के मुख्य अभियंता (संचालन, दक्षिण जोन) इंजीनियर रतन मित्तल ने एक संदेश में पंजाब की आर्थिक तरक्की के मुख्य भागीदार पावरकॉम के उपभोक्ताओं को बिजली सेवाएँ प्रदान कर रहे इंजीनियरों को और अधिक मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

यदि पंजाब के सर्वांगीण विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में किसी विभाग ने सबसे अधिक योगदान दिया है, तो पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का नाम सबसे पहले आता है, जिसने पंजाब में एक करोड़ से भी अधिक उपभोक्ताओं के घरों को रोशन किया है।

पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पूर्व में पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड) की विभिन्न समयों पर कई दूरदर्शी और योग्य इंजीनियरों ने अगुवाई की, जिनमें इंजीनियर एच.आर. भाटिया, नवाब सिंह (आई.सी.एस.), इंजीनियर आर.एस. गिल, इंजीनियर हरबंस सिंह, इंजीनियर वी.डी. सूद, इंजीनियर एन.एस. वसंत, इंजीनियर के.डी. चौधरी और इंजीनियर बलदेव सिंह सरां जैसे चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर शामिल हैं, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर बिजली क्षेत्र में कई नए मील के पत्थर स्थापित किए।

इसके अलावा इंजीनियर पदमजीत सिंह, इंजीनियर पी.एस. सतनाम, इंजीनियर रविंदर सिंह सैनी आदि के नाम भी विशेष हैं, जिन्होंने पंजाब के बिजली क्षेत्र के विकास में अमूल्य योगदान दिया है।

पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ के बाद पशुओं की सुरक्षा के लिए व्यापक एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार

गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा अधिकारियों को 30 सितंबर तक सभी संवेदनशील पशुओं को गलघोटू रोग से बचाव के टीकों की मुफ्त बूस्टर खुराक देने के निर्देश

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रदेश में आए भीषण बाढ़ के विनाशकारी परिणामों से पूरे पशुधन की सुरक्षा के लिए निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के पशुपालन विभाग द्वारा पानी से उत्पन्न होने वाली बीमारियों, खुर रोग और परजीवी संक्रमण सहित गंभीर जोखिमों को कम करने हेतु व्यापक और समयबद्ध कार्य योजना बनाई गई है। यह भी बताया गया कि इन बाढ़ों के दौरान 713 गांवों में 2.53 लाख पशु प्रभावित हुए हैं।

इस व्यापक कार्य योजना के बारे में जानकारी देते हुए पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास और मछी पालन मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि विभाग ने पशुओं को बाढ़ के पानी से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए कार्य योजना तैयार की है। इन बीमारियों में गलघोटू, खुर रोग, थणों की बीमारी, चिच्छड़ रोग, त्वचा रोग, मोक लगना आदि रोग एवं पोषण की कमी शामिल हैं। इस बहुपक्षीय अभियान के तहत प्रभावित पशु पालकों की सहायता हेतु सामूहिक टीकाकरण, कीटाणु-मुक्तिकरण और इमरजेंसी देखभाल सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

- **बहुपक्षीय अभियान प्रभावित पशु पालकों की सहायता के लिए सामूहिक टीकाकरण, कीटाणु-रहितकरण, इमरजेंसी देखभाल और पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने पर होगी केंद्रित**

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पशु हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। इस आपदा की घड़ी में हम अपने किसानों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि यह केवल राहत-संबंधी एक प्रयास नहीं, बल्कि महामारी के कहर को रोकने और लाखों पशुओं की स्वास्थ्य व उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए एक अहम मिशन है, ताकि हमारे किसानों की आजीविका सुरक्षित रह सके। हम अपनी पूरी वैटर्नरी मशीनरी को मिशन मोड पर तैनात कर रहे हैं ताकि कोई भी पशु या किसान वंचित न रहे। इस कार्य योजना के मुख्य पहलुओं को उजागर करते हुए स खुड्डियां ने बताया कि पानी से उत्पन्न बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय निकाय विभाग के सहयोग से रैपिड क्लीन-अप और कीटाणु-मुक्तिकरण अभियान के तहत सभी प्रभावित पशु आश्रयों और फीडिंग क्षेत्रों की सफाई के साथ-साथ उन्हें कीटाणु-मुक्त भी किया जाएगा, तथा बड़े पैमाने पर फॉगिंग करवाई जाएगी। विभाग द्वारा खड़े पानी को कीटाणु-मुक्त करने और फूट-रोट जैसे घातक संक्रमणों को रोकने के लिए फूट-डिप बनवाने हेतु किसानों को पोटैशियम परमंगनेट (के एम एनओज4) क्रिस्टल भी मुफ्त वितरित किए जाएंगे। यह सभी उपाय 21 सितंबर, 2025 तक लागू किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इमरजेंसी टीकाकरण प्रोटोकॉल के तहत पशुपालन विभाग की टीमें 30 सितंबर तक सभी संवेदनशील पशुओं को गलघोटू रोग से बचाव हेतु मुफ्त बूस्टर खुराक देंगी। इसके अलावा पशुओं की तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर स्वास्थ्य संबंधी निगरानी एवं इलाज सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि वैटर्नरी अफसर और पैरास्टाफ टीमें तात्कालिक हस्तक्षेप एवं देखभाल सुनिश्चित करने हेतु तनाव, चोट और बीमारी के लक्षणों के लिए रोजाना गांवों का दौरा कर रही हैं।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा पोषण संबंधी कमियों और बीमारियों से निपटने के लिए आवश्यक दवाइयाँ, खनिज मिश्रण (यूरोमिन लिक्स) और साइलाज भी मुफ्त वितरित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पशुओं के लिए सुरक्षित पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से क्लोरीन गोलियों की सप्लाई एवं वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा।

पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने बताया कि एक मजबूत निगरानी ढांचा भी स्थापित किया गया है, जिसमें पशुपालन निदेशक की अगुवाई में विशेष पोस्ट-फ्लड मॉनीटरिंग टीम शामिल है। प्रभावित जिलों के डिप्टी डायरेक्टर जिम्मेदारी से इस अभियान के अमल के लिए जवाबदेह होंगे तथा समीक्षा हेतु रोजाना प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस अभियान की प्रभावशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट की गई जगहों के 20 प्रतिशत क्षेत्रों में रोजाना खुद जाकर जांच की जाएगी। उन्होंने फील्ड स्टाफ को यह भी निर्देश दिए कि शुरूआती तौर पर पहचाने गए 713 गांवों के अतिरिक्त इस अभियान का विस्तार स्थानीय मूल्यांकन के आधार पर सभी बाढ़ प्रभावित गांवों तक किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि पशु पालकों को उनकी बुरी हालत पर सीधी सहायता पहुंचाने हेतु स्थानीय पंचायतों और समाजसेवी संस्थाओं के समन्वय से सभी प्रभावित गांवों में विशेष जागरूकता और उपचार कैंप लगाए जा रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत कार्यों और नुकसान के मूल्यांकन में सहयोग हेतु नोडल चेयरमैन और मेंबर नियुक्त किए: हरदीप सिंह मुंडियां

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों और नुकसान के मूल्यांकन को सुचारू बनाने के लिए राज्य सरकार ने नोडल चेयरमैन और मेंबर नियुक्त किए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब राज्य में आई भयंकर बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा 2303 ऐसे गांवों की पहचान की गई है, जहाँ बुनियादी सहायता और पुनर्वास के लिए तुरंत उपाय करना आवश्यक है। इसके लिए नियुक्त नोडल प्रतिनिधि ज़िला प्रशासन और नियुक्त गजटेड अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए अपनी ज़िम्मेदारियां निभाएंगे।

- **शिनाख़्त किए गए 2303 गांवों में राहत व पुनर्वास के लिए पंजाब सरकार द्वारा बड़ा कदम**
- **राजस्व मंत्री द्वारा डिप्टी कमिश्नरों और एस.डी.एम्स को नोडल प्रतिनिधियों को सहयोग देने के निर्देश**

स. मुंडियां ने बताया कि ये प्रतिनिधि राहत सामग्री के वितरण की निगरानी करेंगे, फसलों, मकानों और पशुधन को हुए नुकसान के मूल्यांकन में सहायता करेंगे और बाढ़ पीड़ितों के क्लेम समयबद्ध तरीके से फैसिलिटेट करेंगे ताकि प्रभावित व्यक्तियों को मुआवजा और सहायता बिना किसी देरी के प्रदान की जा सके।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को केवल तत्काल राहत ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य शिविरों की उपलब्धता, गुजर-बसर के साधन और पुनर्वास की अत्यंत आवश्यकता होती है। इसलिए नियुक्त नोडल चेयरमैन और मेंबर राज्य सरकार के सहायक अंग के रूप में गांव स्तर पर कार्य करते हुए चिकित्सा सहायता, सफाई कार्य और आवश्यक सेवाओं की तुरंत बहाली सुनिश्चित करेंगे।

स. मुंडियां ने सभी डिप्टी कमिश्नरों और सब-डिवीजनल अथॉरिटीज को निर्देश दिए कि वे नोडल प्रतिनिधियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें, आवश्यक डाटा एवं साधन उपलब्ध कराएं और गांव स्तर पर समन्वय सुनिश्चित करें।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ये नियुक्तियां इस दृढ़ संकल्प के साथ की गई हैं कि पंजाब सरकार इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में हर नागरिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और हर संभव उपाय करके हर एक बाढ़ प्रभावित व्यक्ति का पुनर्वास सुनिश्चित करेगी।

पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और पुनर्वास सुनिश्चित किया जा रहा है: हरजोत सिंह बैंस

संवाददाता
नंगल

कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज सेवा सदन, 2आरवीआर नंगल में लगाए गए अपने साप्ताहिक ह्यजनता दरबारह्न के दौरान लोगों की शिकायतें सुनीं। यह पहल नागरिकों को सीधे मंत्री के सामने अपने मुद्दे रखने का अवसर देती है, जिन्हें वे तुरंत संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर समाधान कराते हैं।

यह कार्यक्रम, जो हर हफ़्ते आयोजित होता है, इसमें न केवल व्यक्ति बल्कि समाज सेवक, धार्मिक संस्थाएं, नौजवान और पंचायत प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। मंत्री बैंस ने पारदर्शी प्रशासन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सीधी मुलाकात से सरकार और जनता के बीच भरोसा मजबूत होता है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार राज्यभर के बाढ़ प्रभावित इलाकों की बारीकी से निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने स्वयं श्री आनंदपुर साहिब हलके के कई गांवों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से सीधे बातचीत की। श्री बैंस ने बताया कि दोनों मंत्रीगण अधिकारियों सहित विभिन्न गांवों तक पहुंचे, कई बार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सफर करते हुए, ताकि मुश्किलों का सामना कर रहे ग्रामीणों से मिल सकें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार लोगों के हुए नुकसान की पूरी भरपाई करेगी। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को खाने-पीने की सामग्री, फर्नीचर, चिकित्सीय सहायता और पशुओं का टीकाकरण सहित तत्काल राहत दी जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सभी प्रभावित गांवों में व्यापक फॉगिंग अभियान शुरू हो चुका है, साथ ही बीमारियों के फैलाव को रोकने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों, पुलों, क्रेट वॉल और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे की मरम्मत और नवीनीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री बैंस ने जोर देते हुए कहा कि उनके नंगल और गंभीरपुर निवास हमेशा 24 घंटे जनता की सेवा के लिए खुले रहते हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी बुनियादी जरूरतों से वंचित न रहे। उन्होंने स्थानीय नौजवानों और पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को भी उजागर किया, जो सरकार की चल रही पहल ह्यऑपरेशन राहतह्न में सक्रिय भाग ले रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने भरोसा दिलाया कि ह्न ह्यश्री आनंदपुर साहिब हलके का हर एक कोना राहत प्रयासों के अंतर्गत लाया जा रहा है।

पंजाब में बाढ़ प्रभावित सभी मंडियों को पुनः चालू करने के लिए 5-दिवसीय विशेष अभियान की शुरूआत

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि और किसान कल्याण मंत्री स गुरमीत सिंह खड्डियां ने बताया कि किसानों के लिए निर्बाध एवं परेशानी रहित फसल बिक्री सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंजाब सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावित सभी अनाज मंडियों को चालू करने हेतु विशेष पाँच-दिवसीय अभियान आरंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य खड़े पानी और गाद को साफ कर सभी मंडियों को सॉनी खरीद सीजन के लिए पूरी तरह से कार्यशील बनाना है। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए स गुरमीत सिंह खड्डियां ने कहा कि रविवार से आरंभ होने वाला यह अभियान विशेष रूप से उन जिलों पर केंद्रित है, जहाँ मंडियाँ खड़े पानी और जमा गाद से प्रभावित हैं। उन्होंने पंजाब मंडी बोर्ड के अधिकारियों और सभी जिला मंडी अधिकारियों (डी एम ओज) को निर्देशित किया कि वे व्यक्तिगत रूप से इन प्रयासों की निगरानी करें तथा सुनिश्चित करें कि सभी प्रभावित मंडियाँ 19 सितंबर, 2025 तक पूरी तरह से बहाल और कार्यशील हो जाएं।

स खड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार हमारे किसानों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ह्लहमारी सरकार इस सीजन के लिए पूरी तरह तैयार है। हम हाल ही में आए बाढ़ कारण उत्पन्न हुई चुनौतियों से पूरी तरह परिचित हैं। इस विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी किसान को अपनी उपज बेचने में किसी भी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। हमारे किसानों की आजीविका की सुरक्षा और बेहतर खरीद प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने हेतु सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि 16 सितंबर, 2025 से शुरू होने वाले सॉनी खरीद सीजन के लिए प्रदेश की अनाज मंडियों में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को समय पर खरीद और तुरंत भुगतान सहित बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री द्वारा बाढ़ से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के खिलाफ लड़ाई के लिए सभी संसाधनों जुटाने के आदेश जारी

संवाददाता
चंडीगढ़

प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने राज्य के संपूर्ण मेडिकल समुदाय को व्यापक लामबंदी के आदेश जारी करते हुए सभी उपलब्ध संसाधनों को कार्य में लगाने के निर्देश दिए हैं, इसके तहत सरकारी डॉक्टर, निजी स्वयंसेवक, आयुर्वेद मेडिकल अधिकारी और एमबीबीएस इंटर्न्स समेत विभिन्न स्वास्थ्य पेशेवर रविवार से 2303 बाढ़ प्रभावित गांवों में ह्यविशेष सेहत मुहिमह्न का नेतृत्व करेंगे।

- **2303 गांवों में व्यापक अभियान के लिए आयुर्वेद डॉक्टरों से लेकर एमबीबीएस इंटर्नज तक मेडिकल पेशेवरों को कार्य में लगाने के निर्देश**

कैबिनेट मंत्री ने सिविल सर्जनों को निर्देश दिए हैं कि वे हर संभव मेडिकल पेशेवर को स्वास्थ्य कैंप और डोर-टू-डोर टीमों में शामिल करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी गांव स्वास्थ्य देखभाल और रोकथाम सेवाओं से वंचित न रहे, ताकि बाढ़ के बाद बीमारियों के फैलाव को रोका जा सके। यह विशेष अभियान हाल ही में आए भीषण बाढ़ से प्रभावित सभी 2303 गांवों में लागू किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य वेक्टर-बोर्न, पानी से उत्पन्न और संक्रामक बीमारियों के फैलाव को रोकना है। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि हमारे लोगों की भलाई सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस आपदा के बाद हम एक व्यापक, बहु-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा शुरू कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति डॉक्टर की देखभाल और रोकथाम सेवाओं तक पहुंच से वंचित न रहे। अभियान की कार्यान्वयन रणनीति के बारे में विस्तार से बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस अभियान को तीन मुख्य भागों में विभाजित किया गया है, जिसमें पहला अभ्यासन स्वास्थ्य एवं मेडिकल कैंप है, जिसके तहत सभी 2303 गांवों में दैनिक मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। आम आदमी क्लीनिक जैसी मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं वाले 596 गांवों में ये कैंप नियमित रूप से इन केंद्रों पर लगाए जाएंगे। बाकी 1707 गांवों में स्कूल और कम्युनिटी सेंटर जैसी सार्वजनिक जगहों पर कम से कम तीन दिन के लिए कैंप लगाए जाएंगे, जिन्हें जरूरत अनुसार बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने और मरीजों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 550 से अधिक एम्बुलेंस का फ्लीट कार्य में लगाया जाएगा, जिसमें 180 सरकारी एम्बुलेंस और 254 एम्बुलेंस भारतीय मेडिकल एसोसिएशन के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह जन सुरक्षा के लिए समय के साथ हमारी लड़ाई है। उन्होंने सभी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, चैरिटेबल संस्थाओं और समाज के हर वर्ग से आग्रह किया कि वे हमारी स्वास्थ्य टीमों के साथ मिलकर सहयोग करें। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में तब तक अथक प्रयास करते रहेंगे, जब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य न हो जाए और हर नागरिक सुरक्षित महसूस न करे। उल्लेखनीय है कि सिविल सर्जन और ब्लॉक सीनियर मेडिकल अधिकारियों को अपने-अपने जिलों में अभियान की सशक्त निगरानी और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संक्षिप्त-समाचार

गुरदासपुर यूनिवर्सिटी द्वारा बाढ़ राहत कार्यों के लिए 3.5 लाख रुपये का योगदान

चंडीगढ़। एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश करते हुए सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी (एस बी एस एस टी यू), गुरदासपुर ने पूरे राज्य में चल रहे बाढ़ राहत कार्यों में सहयोग देने हेतु पंजाब मुख्यमंत्री बाढ़ राहत फंड में 3,50,000 रुपए प्रदान किए हैं। यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. एस.के. मिश्रा की अगुवाई में यूनिवर्सिटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री स हरजोत सिंह बैंस से मुलाकात की और बाढ़ राहत फंड के लिए चेक भेंट किया। इस प्रतिनिधि दल में रजिस्ट्रार, डीन अकादमिक मामले, डीन योजनाबंदी एवं विकास, सहायक रजिस्ट्रार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। यह राशि यूनिवर्सिटी के फैकल्टी और स्टाफ की भागीदारी के माध्यम से एकत्रित की गई थी, जिन्होंने पंजाब में हाल ही में आए भयावह बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु अपनी एक दिन की तनख्वाह दान की। इस पहल की सराहना करते हुए स हरजोत सिंह बैंस ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय में, सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी का यह कदम 'सरबत दे भले' की भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। यूनिवर्सिटी के फैकल्टी एवं स्टाफ द्वारा सहानुभूति से किया गया यह योगदान एक सहानुभूति एवं एकता वाले समाज के निर्माण में अकादमिक संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है। डॉ. एस.के. मिश्रा ने जन कल्याण कार्यों के प्रति यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, हम यह उम्मीद करते हैं कि हमारा यह प्रयास अन्य संस्थानों और नागरिकों को आगे आने और बाढ़ प्रभावित परिवारों को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ राहत कार्यों और पुनर्वास के लिए व्यापक अभियान की शुरूआत: सौंद

चंडीगढ़। पंजाब के ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि पंजाब सरकार ने 2300 से अधिक गांवों में हाल ही में आए बाढ़ के कारण हुए व्यापक नुकसान की पूर्ति हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में एक व्यापक बाढ़ राहत एवं पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया है। यह अभियान तत्काल राहत, आवश्यक बुनियादी ढांचे की बहाली और सभी कार्यों के पारदर्शी क्रियान्वयन पर केंद्रित रहेगा। सौंद ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सशक्त अगुवाई में पंजाब सरकार बाढ़ में हुए नुकसान संबंधी राहत और पुनर्वास गतिविधियों के समर्थन हेतु 100 करोड़ रुपये का समर्पित फंड स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री के ऐलान के अनुसार अति आवश्यक कार्य आरंभ करने हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत को पहले 1 लाख रुपये जारी किए जाएंगे ताकि वे गांव की गलियों से मिट्टी और मलबा हटाने और मृत पशुओं के सुरक्षित निस्तारण जैसे कार्य जल्द से जल्द शुरू कर सकें। इसके लिए खर्च सीमा भी निर्धारित की गई है, जिसमें 2000 तक की आबादी वाली ग्राम पंचायतों के लिए 3 लाख रुपये तथा 2000 से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों के लिए 5 लाख रुपये का प्रावधान है। पंचायत मंत्री ने तबाही के पैमाने के बारे में बताते हुए कहा कि बाढ़ के कारण बड़ी मात्रा में मिट्टी और मलबा जमा हो गया है, जिससे पशुओं का व्यापक नुकसान होने के साथ-साथ आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, शवदाह गृह, कम्युनिटी सेंटर और छप्पर सहित सार्वजनिक बुनियादी संरचनाएं भी काफी प्रभावित हुई हैं।

घरों, दुकानों सहित संपत्तियों, सार्वजनिक संपत्तियों और निजी संपत्तियों को हुए नुकसान के मूल्यांकन हेतु किया जाएगा सर्वेक्षण

शहरी स्थानीय इकाइयों द्वारा सफाई मुहिम, पीने के पानी की सप्लाई, संपत्तियों के नुकसान का मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा: डॉ. रवजोत सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज बताया कि राज्य में हाल ही में आए बाढ़ के मद्देनजर शहरी स्थानीय इकाइयों द्वारा किए जाने वाले उपायों संबंधी एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इन उपायों में राज्य के कस्बों में सामान्य स्थिति की बहाली सुनिश्चित करने हेतु सफाई, पीने योग्य पानी की आपूर्ति और स्वास्थ्य संबंधी रोकथाम उपाय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्यभर के सभी नगर निगम कमिश्नर, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास/जनरल) तथा नगर काउंसिल और नगर पंचायत के सभी कार्यकारी अधिकारी मिशन मोड पर कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

- **प्रभावित इलाकों में शुरू हुई दस दिनों की सफाई मुहिम**
- **राहत और पुनर्वास में समन्वय के लिए शहरों में सहायक कमिश्नर या ई.ओज के लिए नोडल अधिकारी तैनात करने के निर्देश**

राज्य में रावी, ब्यास, सतलुज और घग्गर नदियों सहित उनकी सहायक नदियों में पानी का स्तर बढ़ने व भारी बारिश के कारण गंभीर बाढ़ व जलभराव की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रमुख कार्यों में से एक सफाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में पानी भर चुका है, वहां मिट्टी, रेत सहित अन्य मलबा एकत्रित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार ने यू.एल.बी.ह्लस के मौजूदा कर्मचारियों के अलावा विशेष टीमों को नियुक्त कर इन क्षेत्रों में सड़क/शहरी नालियों सहित मिट्टी-मलबा साफ करने हेतु विशेष मुहिम शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रभावित क्षेत्रों में टीमों की तैनाती हेतु एक रोस्टर बनाया जाएगा, जिसमें 14 सितंबर से 23 सितंबर तक दस दिनों की विशेष सफाई मुहिम चलायी जाएगी।

नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा संबंधी पहले से विस्तृत एडवाइजरी जारी की जा चुकी है। डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को नुकसानग्रस्त संपत्ति, सार्वजनिक या निजी संपत्ति जिसमें घर, दुकानें आदि शामिल हैं, का सर्वेक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह सर्वेक्षण माल, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन विभाग की हिदायतानुसार इंजीनियरिंग स्टाफ के सहयोग से तुरंत किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि संबंधित रिपोर्टें जिला के डिप्टी कमिश्नरों को भेजी जाएंगी ताकि उन्हें राहत/मुआवजा के लिए राज्य सरकार को अग्रेषित किया जा सके।

इसके साथ ही राज्य सरकार के निदेर्शानुसार नुकसानग्रस्त संपत्ति की मरम्मत व पुनर्स्थापना भी सुनिश्चित की जाएगी। नोटिफिकेशन के अनुसार प्रभावित जल आपूर्ति योजना, स्ट्रीट लाइटें, एस.टी.पी., खराब सड़कों (अस्थायी पैचवर्क सहित) की मरम्मत के लिए भी त्वरित कदम उठाए जाएंगे। डायरेक्टर ने कहा कि सड़कों/नालियों की उचित मरम्मत कार्य मानसून सीजन समाप्त होने के बाद शुरू किया जा सकता है, हालांकि अस्थायी तौर पर भरण कार्य तुरंत किए जा सकते हैं।

सभी संबंधित अधिकारियों को एक ठोस कार्यान्वयन योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि इन कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने हेतु आवश्यक उपाय सूचीबद्ध किए जा सकें। अधिकारियों को हर कार्य से पहले व बाद की फोटो रिकॉर्डिंग करनी होगी तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा निर्धारित करनी होगी। इसके अलावा इस कार्य हेतु मनोनीत अधिकारी भी तैनात किए जाएंगे।

इस दौरान स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक कुलवंत सिंह ने बताया कि कमिश्नर अपने-अपने नगर निगमों में सभी पुनर्वास कार्यों के लिए जिम्मेदार होंगे। इसी प्रकार जिले के एडीसी (शहरी विकास/जनरल) जनतकी और निजी संपत्ति को हुए नुकसान की रिपोर्टिंग के साथ-साथ संबंधित नगर काउंसिल एवं नगर पंचायत द्वारा जिले में किए जा रहे उक्त कार्यों पर निगरानी रखेंगे।

नेपाल में सामान्य होते जनजीवन के बीच आज से स्कूल खोलने का निर्णय

स्कूल अपनी क्षति का आंकलन करें और छात्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें: केशव ग्यावली

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) ने शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को शैक्षणिक गतिविधियों को दोबारा शुरू करने के लिए सोमवार से स्कूलों में लौटने का निर्देश दिया है। केएमसी के शिक्षा विभाग के प्रमुख केशव ग्यावली के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में राष्ट्रव्यापी अशांति के कारण स्कूल बंद होने के बाद आया है।

यह निर्देश दिया गया है कि स्कूल अपनी क्षति का आकलन करें और छात्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें। एक सार्वजनिक नोटिस में केएमसी ने स्कूलों से किसी भी बुनियादी ढांचे के नुकसान का निरीक्षण करने, छात्रों की स्थितियों का आकलन करने के लिए अभिभावकों से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि स्थिति सामान्य होने तक बच्चों के साथ अभिभावक हों। कक्षाएं सोमवार (15 सितंबर) से फिर से शुरू होने वाली हैं। नियमित पठान पाठन के साथ-साथ स्कूलों में छात्रों को वापस लाने में मदद करने के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करने के लिए भी सुझाव दिया गया है। जिन स्कूलों को नुकसान पहुंचा है उन स्कूल प्रशासन को ऑनलाइन क्लास शुरू करने के लिए भी कहा गया है। नेपाल में प्रदर्शन के दौरान काठमांडू के ही करीब एक दर्जन से अधिक स्कूलों में आगजनी कर दी गई थी।

फोटोः हि.स.

नेपाल के राष्ट्रपति ने की संविधान और संसदीय प्रणाली बचाने की अपील

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने देश के संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने की अपील की है। राष्ट्रपति पौडेल ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि देश का संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। संसद विघटन के फैसले पर अधिकांश राजनीतिक दलों के द्वारा इस फैसले के विरोध में लगातार बयानबाजी करने और राष्ट्रपति की आलोचना करने के कारण शनिवार को राष्ट्रपति ने अपने फैसले का बचाव करते हुए अपील जारी की है। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि देश जिस विषम परिस्थिति से गुजर रहा है ऐसे में संविधान को बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। उन्होंने कहा है कि संविधान बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश बहुत ही असहज, विषम और भयपूर्ण परिस्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में संविधान के साथ ही संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए यह कदम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहुत ही चतुराई के साथ संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाया जा सका है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को यह चाहिए कि वो बाकी बातों को भूला कर सरकार द्वारा घोषित दिन में चुनाव संपन्न करने में सहयोग करना चाहिए। राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने कहा है कि छह महीने के भीतर चुनाव की सुनिश्चितता करते हुए यह फैसला लिया गया है। उनका कहना है कि समय पर चुनाव संपन्न करते हुए हमारे लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश घायल

एजेंसी (हि.स.)

गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान दो अलग-अलग मुठभेड़ों में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस की ओर से चलाई गई गोली से चारों ही बदमाश घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। एसीपी इन्दिरपुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि थाना इन्दिरापुरम पुलिस शनिवार की रात में कनावानी पुलिया पर चेकिंग कर रही थी। तभी हिन्डन नहर 5/6 की पुलिया की तरफ से एक मोटर साइकिल पर सवार 02 व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया।

परन्तु दोनों मोटर साइकिल सवार युवक नही रुके तथा मोटर साइकिल को तेजी से पीछे मोड़ते हुए भागने का प्रयास किया। जिसके बाद मोटर साइकिल फिसलकर गिर गयी। जिसके बाद व्यक्ति ने मोटर साइकिल को छोड़कर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करते हुए भागने का प्रयास किया।

जिससे पुलिस ने जवाबी कार्यवाही की गयी जिससे गोली चलाने वाले बदमाश शहबाज उर्फ पोली पुत्र अब्दुल रहमान निवासी नन्द नगरी थाना नन्द नगरी दिल्ली घायल होकर नीचे गिर गया। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस व चोरी की 01 मोटर साइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया गया। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि विजयनगर पुलिस एवं स्वाट टीम को मुखबिर द्वारा सूचना दी गयी कि हिण्डन नदी पुस्ता की झाडियों में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों किसी घटना करने की फिराक में बैठे है।

फोटोः हि.स.

जिस पर थाना विजयनगर पुलिस एवं स्वाट टीम नगर द्वारा संयुक्त रूप से योजनाबद्ध तरीके से हिण्डन नदी पुस्ता झाडियों में छिपे बदमाश को आत्मसमर्पण करने हेतु कहा गया तो नही रूके तथा मौके पर अपनी स्कूटी छोड़ अपने सामान एवं बैग को लेकर भागने लगे। पुलिस द्वारा अपने आप को घिरता देखा तीनों बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से एक के बाद एक फायर करना शुरू कर दिया तथा मौके से भागने लगे। पुलिस ने भी जवाबी करवाई की। जिसमें तीनों बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया।

घायल बदमाशों में राजा उर्फ मुकेश निवासी चांदोक थाना जहागीराबाद जिला बुलन्दशहर दीपक उर्फ लूट्टन निवासी ग्राम करौला थाना पहासू जिला बुलन्दशहर तथा वंश निवासी गिरधर पुरा विसरख गौतमबुद्धनगर हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तगण ने पूछताछ पर बताया कि साहब हमने अपना एक गैंग बना रखा है जिसमें हम तीनों मिलकर भोले भाले व्यक्तियों के साथ तमंचे के बल पर लूटपाट करके उनका सामान छीन लेते है तथा उन्हे सुनसान जगह पर छोड़ देते हैं जो सामान मिलता है उसे बेचकर रूपयों को आपस में बांट लेते है। तीन दिन पहले भी हमने आईपीआईएम कॉलेज के पास एक लड़के से लूटपाट की थी तथा पहले भी हमने कई लूट की वारदात की है। आज हम लूट के सामान को आपस में बांट रहे थे कि पुलिस द्वारा हमें पकड़ लिया गया।

थाने के सामने महिला से मारपीट, चोटी पकड़कर बाइक पर बैठाया, वीडियो वायरल

एजेंसी (हि.स.)

औरैया

> महिला का प्रार्थनापत्र प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की जांच की जा रही है : पुलिस

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र में पुलिस की नाक के नीचे महिला सुरक्षा पर सवाल खड़े करने वाली घटना सामने आई है। थाने के ठीक सामने एक महिला को उसके ससुराल पक्ष ने बीच सड़क पर पीटा और चोटी पकड़कर जबरन बाइक पर बैठाने का प्रयास किया। यह घटना वहां मौजूद लोगों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वीडियो की पुष्टि हिन्दुस्थान समाचार नही करता है

जानकारी के अनुसार दिबियापुर के भट्टा बस्ती निवासी एक महिला ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान होकर थाने में शिकायत दर्ज कराने जा रही थी। तभी उसके पति और अन्य ससुरालजन वहां पहुंचे और रास्ते में ही उसे रोक लिया। महिला के विरोध करने पर आरोपितों ने बीच सड़क पर उसकी पिटाई शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपितों ने महिला की चोटी पकड़कर उसे जबरन बाइक पर बैठाने की कोशिश की। यह नजारा देख मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई और हंगामा शुरू हो गया। ग्रामीणों और राहगीरों के विरोध के चलते महिला किसी तरह आरोपितों से छूटकर थाने में पहुंची। वहां उसने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि घटना थाने के ठीक सामने हुई। लोगों का कहना है कि थाने के पास ऐसी घटना होना गंभीर लापरवाही को दशार्ता है। इस संबंध में कस्बा इंचार्ज नईम ने बताया कि शनिवार को महिला का प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डोडा में एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली, मौत

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में 26 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने घर के अंदर खुद को गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, पुलिस ने रविवार को कहा। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविंदर कटोच ने शुक्रवार शाम हंबल गांव में अपनी जान लेने के लिए अपने पिता जोगिंदर कुमार जो कि एक गांव के रक्षा गार्ड थे की लाइसेंसी राइफल का इस्तेमाल किया। पुलिस उपाधीक्षक अजय आनंद ने कहा कि पुलिस ने घटना के विवरण का पता लगाने के लिए जांच कार्यवाही शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), डोडा ले जाया गया है और अंतिम संस्कार के लिए उसके परिवार को सौंपा जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि उसके इतना बड़ा कदम उठाने के पीछे का मकसद तत्काल पता नहीं चल पाया है।

बलरामपुर : पर्ची में नहीं था आक्सीजन का जिक्र नर्सों पर कार्रवाई से भड़का स्वास्थ्यकर्मी संघ

> ग्रामीणों ने चिकित्सकों व अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया

एजेंसी (हि.स.)

बलरामपुर

बलरामपुर जिला चिकित्सालय में नौ सितंबर को पिंडरा निवासी सनम अगरिया की तीन माह की मासूम बेटी संजना अगरिया की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मासूम की मौत के बाद स्वजन और ग्रामीणों ने चिकित्सकों व अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था।

मामले की जांच के बाद ड्यूटी पर मौजूद दो स्टाफ नर्स सतीश और नीतू केशरी को निलंबित कर दिया गया। परंतु अब स्वास्थ्यकर्मियों का कहना है कि वास्तविक दोष अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों का है, जबकि निर्दोष नर्सों को निलंबित कर दिया गया है।छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष अनिल पांडेय व संभागीय अध्यक्ष श्यामाकांत तिवारी ने आज रविवार को कहा कि, इस पूरे मामले में दोषी अस्पताल प्रबंधन और ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक हैं, न कि स्टाफ नर्स। उन्होंने संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाओं से मांग की है कि निलंबन को तत्काल निरस्त कर निष्पक्ष जांच के लिए नई टीम गठित की जाए। जांच समिति में बलरामपुर जिले के बाहर के अधिकारियों के साथ एक अनुभवी स्टाफ नर्स को भी शामिल किया जाए। संघ ने साफ कहा है कि अगर निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई और निलंबन वापस नहीं लिया गया, तो जिला अस्पताल के कर्मचारी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। संघ ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में अस्पताल की सेवाएं बाधित होंगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन और उच्च अधिकारियों की होगी। संघ का कहना है कि हम स्वास्थ्यकर्मी पीड़ित मानव के सेवक हैं, अस्पताल का काम रोकना नहीं चाहते। लेकिन निर्दोष कर्मचारियों पर गलत कार्रवाई हमें आंदोलन के लिए विवश करेगी। बच्ची को अस्पताल लाने के बाद तत्काल आपातकालीन कक्ष में भर्ती कर शिशु रोग विशेषज्ञ को बुलाना चाहिए था। परंतु ड्यूटी चिकित्सक ने स्वजन से कहा कि वे शिशु रोग विशेषज्ञ को बाहर दिखाएं। स्वजन बाहर के चिकित्सक के पास गए और पुनः लौटे। इसके बाद ए एसएनसीयू प्रभारी ने बच्ची को देखा और दवा व ऑक्सीजन देने के बाद रिफर कर दिया।

फोटोः हि.स.

संक्षिप्त-समाचार

दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित मुगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के बेलवार मार्ग पर रामनगर गांव के पास शनिवार देर रात करीब नौ बजे अपने रिश्तेदारी जा रहे बाइक सवार दो व्यक्तियों पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दिया। जिससे एक व्यक्ति की जहां मौके पर मौत हो गई वहीं दूसरे का इलाज के लिए प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना क्षेत्र के मजगवा गांव निवासी शाहजहां (70) साथ में बाइक पर सवार जहांगीर (65) बाइक से अपने किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। जैसे ही इनकी बाइक बिलावर मार्ग पर रामनगर गांव के पास पहुंची अज्ञात बदमाशो ने दोनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दिया। फायरिंग की आवाज सुनकर आस पास के लोग सहम गए। इस फायरिंग में शाहजहां की मौके पर ही मौत हो गई वहीं जहांगीर को इलाज हेतु प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे मुंगरा बादशाहपुर प्रभारी निरीक्षक के के सिंह मय फोर्स मामले की जांच में जुट गए हैं।इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने बताया कि मुंगराबादशाहपुर थानान्तर्गत शनिवार को ग्राम मझगवा रामनगर के पास घर जा रहे दो भाइयो के ऊपर अज्ञात हमलावर द्वारा असलहे से फायर किया गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर घायलो को इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरो ने उनको मृत घोषित कर दिया।

ईको कार ने मोपेड को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत, चालक फरार

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के दिबियापुर थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ईको कार ने सामने से आ रहे मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मोपेड सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय रामप्रकाश पाल और शहीम अली के रूप में हुई है। रामप्रकाश काकोर कस्बे की एक बेकरी में कार्यरत थे जबकि शहीम अली औरैया शहर में लकड़ी की दुकान पर काम करते थे। दोनों शनिवार की देर शाम मोपेड से अपने गांव लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार ईको कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार की नंबर प्लेट टूटकर मौके पर गिर गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन भी अस्पताल और घटना स्थल पर पहुंच गए। उनके बीच कोहराम मच गया। दोनों मृतक कानपुर देहात जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर स्थित चील्ह थाना क्षेत्र के धौरहरा गांव में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। धौरहरा गांव निवासी 24 वर्षीय ममता देवी पत्नी शिव पूजन की मौत लगभग 12 बजे हुई। जानकारी के मुताबिक, मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग करीब तीन घंटे तक शव को छिपाने का प्रयास करते रहे। इसी बीच मृतका के पिता हरगेन, निवासी वेदपुर थाना ज्ञानपुर, भदोही को दामाद की ओर से स्वास्थ्य खराब होने की सूचना दी गई। जब वे पहुंचे तो बेटी की मौत हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही चील्ह थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह और चेतगंज चौकी प्रभारी अरविंद कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

कतर में हमास नेताओं को हटाना ही शांति वार्ता की कुंजी : नेतन्याहू

> कतर में बैठे हमास के आतंकी सरगना गाजा के लोगों की परवाह नहीं करतेः बेंजामिन

एजेंसी (हि.स.)

यरुशलम

फोटोः हि.स.

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि कतर में रह रहे हमास के शीर्ष नेताओं को हटाना गाजा युद्ध खत्म करने और सभी बंधकों की रिहाई में सबसे बड़ी बाधा को दूर कर देगा। हाल ही में इजराइल ने दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए थे, जिनकी कतर ने कड़ी निंदा की। यही कतर लंबे समय से युद्धविराम वार्ता का प्रमुख स्थल रहा है। हमास ने दावा किया है कि इस हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए, जिनमें निर्वासित गाजा प्रमुख खलील अल-हैय्या का बेटा भी शामिल है। हालांकि, संगठन की शीर्ष नेतृत्व टीम और वार्ता में शामिल प्रतिनिधि सुरक्षित बच निकले। कतर ने कहा कि इस हमले में उसकी आंतरिक सुरक्षा बल का एक सदस्य भी मारा गया।

नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कतर में बैठे हमास के आतंकी सरगना गाजा के लोगों की परवाह नहीं करते। वे युद्धविराम की हर कोशिश को रोकते रहे ताकि युद्ध लंबा खिंचता जाए। वहीं, हमास ने इस हमले को वार्ता को पटरी से उतारने की कोशिश बताते हुए कहा कि इससे उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। संगठन का कहना है कि सभी बंधकों की रिहाई तभी संभव होगी जब युद्ध समाप्त करने का समझौता होगा और फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिलेगा। इजराइल की मांग है कि हमास न केवल सभी बंधकों को छोड़े बल्कि अपने हथियार भी डाल दे। दूसरी ओर, हमास हथियार छोड़ने से पहले स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की गारंटी चाहता है।

पोलैंड में रूसी ड्रोन घुसपैठ अस्वीकार्य : अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि इस हफ़्ते पोलैंड की हवाई सीमा में रूसी ड्रोन का प्रवेश अस्वीकार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस ने जानबूझकर पोलैंड को निशाना बनाया या नहीं। नाटो ने 12 सितम्बर को यूरोप की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और मजबूत करने की योजना का ऐलान किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया – जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी गठबंधन की ओर से लिया गया पहला ऐसा सैन्य एक्शन है। रूबियो ने पत्रकारों से कहा, यह बेहद खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रोन रूस से जानबूझकर छोड़े गए थे। सवाल यह है कि क्या उन्हें पोलैंड की सीमा में घुसाने का इरादा था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सबूत साबित करते हैं कि ड्रोन का निशाना पोलैंड ही था, तो यह स्थिति बेहद गंभीर और उकसाने वाली होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों से परामर्श कर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही कोई ठोस निर्णय लेगा।पोलैंड ने 12 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सुझाव को खारिज कर दिया था।

सिक्किम में भूस्खलन से पंचायत अध्यक्ष की मौत, अब तक 5 लोगों की जा चुकी है जान

एजेंसी (हि.स.)

गंगटोक

सिक्किम के गेजिंग जिले के 19-सरदोंग लुंगजिक ग्राम पंचायत के पंचायत अध्यक्ष राजेन गुरुंग की भूस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार देर रात तक चले राहत एवं बचाव कार्य के बाद मृतक गुरुंग का शव बरामद किया गया।

19-सरदोंग लुंगजिक ग्राम पंचायत के पंचायत अध्यक्ष राजेन गुरुंग की शनिवार देर रात अपर सरदोंग के लामा गांव वार्ड में भूस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना मृतक के घर के पास हुई। सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन के प्रयासों के बाद शव बरामद किया गया। भारी बारिश के बीच राहत एवं बचाव कार्य काफी चुनौतीपूर्ण रहा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने पंचायत अध्यक्ष राजेन गुरुंग के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पंचायत अध्यक्ष राजेन गरुंग के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि दिवंगत गुरुंग की अपने समुदाय के प्रति निःस्वार्थ सेवा और लोगों के लिए उनके अथक योगदान को गहरे सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश से जानमाल का काफी नुकसान हो रहा है। खासकर पश्चिमी सिक्किम में भूस्खलन के कारण अब तक 5 लोगों की जान जा चुकी है। पश्चिम सिक्किम के अपर रिम्बिक में 11 सितंबर की रात भूस्खलन में 3 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले 10 सितंबर की सुबह पश्चिम सिक्किम के ही थांगसिंग में भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई थी।

फोटोः हि.स.

झारखंडः 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर मुठभेड़ में मारा गया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

पलामू

पलामू जिले के मनातू और तरहसी थाना के सीमावर्ती क्षेत्र काश और बंशी खुर्द जंगल के बीच प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) और सुरक्षाबलों के बीच रविवार को भीषण मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में टीएसपीसी के इनामी कमांडर मुखदेव यादव मारा गया, जिसका शव घटनास्थल से बरामद हुआ है। मुखदेव पर पांच लाख का इनाम घोषित था। एसपी रीष्मा रमेशन ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि इलाके में सर्च अभियान जारी है। जिस टीएसपीसी टीम के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई, उसी के साथ 03 सितंबर की रात हुए मुठभेड़ में पलामू पुलिस के दो जवान बलिदान हुए थे।

इससे पहले 10 लाख के इनामी कमांडर शशिकांत को लेकर सर्च अभियान शुरू किया गया। सर्च अभियान में कोबरा, जगुआर और पलामू पुलिस को तैनात किया गया। सर्च अभियान के क्रम में मनातू के जंगलों में जैसे ही सुरक्षा बलों की टीम घुसी, टीएसपीसी के उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की जिसमें इनामी कमांड मुखदेव मारा गया। मुठभेड़ स्थल से शव और इंसास राइफल बरामद किया गया है।

इतिहास — दशकों तक देश के घर-घर में सूचना और मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम बना दूरदर्शन

भारत में दूरदर्शन का आगाज

एजेंसी (हि.स.)

15 सितम्बर 1959 को भारत ने सूचना और प्रसारण के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा। इसी दिन देश की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा 'दूरदर्शन' की शुरूआत हुई। प्रारंभिक दौर में दूरदर्शन का प्रसारण दिल्ली में एक छोटे से स्टूडियो से सप्ताह में केवल दो घंटे के लिए किया जाता था। यह सेवा पहले शैक्षिक और विकासात्मक कार्यक्रमों तक सीमित रही, लेकिन धीरे-धीरे मनोरंजन और समाचार प्रसारण तक इसका विस्तार हुआ। समय के साथ दूरदर्शन भारतीय परिवारों का अहम हिस्सा बन गया और दशकों तक यह देश के घर-घर में सूचना और मनोरंजन का सबसे बड़ा माध्यम बना रहा। आज भी 'दूरदर्शन' भारत के प्रसारण इतिहास की नींव और पहचान दोनों है।

अन्य अहम घटनाएं

1812 – नेपोलियन के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना मास्को के क्रैमलिन पहुंची। 1894– प्योंगयांग की लड़ाई में जापान ने चीन को करारी मात दी। 1916 – प्रथम विश्व युद्ध में पहली बार सोम्मे की लड़ाई में टैंक का इस्तेमाल किया गया। 1948 – स्वतंत्र भारत का पहला ध्वजपोत आईएनएस दिल्ली, बंबई (अब मुंबई) के बंदरगाह पर पहुंचा। 1959 – भारत की राष्ट्रीय प्रसारण सेवा दूरदर्शन की शुरूआत। 1971 – हरी-भरी और शांति पूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध ग्रीन पीस की स्थापना की गई। 1981 – वानुअतु संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना। 1982 – लेबनान के निर्वाचित राष्ट्रपति बशीर गेमायेल की पदासीन होने के पूर्व ही बम बिस्फोट में हत्या।2000 – सिडनी में 27वें ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ। 2001–अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति को अफगानिस्तान पर सैनिक कार्रवाई की मंजूरी दी। 2002 – न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के अवसर पर भारत, चीन एवं रूस के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित। 2003–सिंगापुर के मुद्दे पर विकासशील देशों के भड़क उठने से डब्ल्यूटीओ वार्ता विफल। 2004 – ब्रिटिश नागरिक गुरिंदर चड्ढा को 'वूमैन आफ द ईयर' सम्मान। 2008 – क्राम्पटन गीब्स ने अमेरिका की एमएसआई ग्रुप कंपनी का अधिग्रहण किया। 2009 – बेंगलुरु के मुंदिर शिवराजी ने सब जूनियर बिलियर्ड्स का खिताब जीता। पेनसुला फाउंडेशन के चेयरमैन सुब्रतो चटोपाध्याय 2009–10 के लिए 'आडिट ब्यूरो ऑफ सकुर्लेशन' के अध्यक्ष चुने गये।

जन्म

1958 – रोमियो जेम्स - भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी।1986 - जोशना चिनप्पा - भारत की महिला स्क्वॉश खिलाड़ी। 1987 – सोनलबेन पटेल - भारत की पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी। 1946 – जॉकिन अर्पुथम- मुम्बई की झुग्गी बस्तियों के लिए संघर्ष करने वाले व्यक्ति।1947 – भूपिन्दर सिंह हुड्डा - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री। 1934 – वेद मारवाह - दिल्ली पुलिस के पूर्व कमिश्नर।1929 - ओ. राजगोपाल - केरल से भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक। 1926 – अशोक सिंघल - 'विश्व हिन्दू परिषद्' (विहिप) के अध्यक्ष थे। 1927 – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार। 1919 – खुमार बाराबंकवी - भारतीय शायर। उनका वास्तविक नाम मोहम्मद हैदर खान था। 1915 – लांस नायक करम सिंह- परमवीर चक्र सम्मानित भूतपूर्व भारतीय सैनिक। 1915 – द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' - हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकारों में से एक। 1909 – सी.एन. अन्नादुराई- तमिलनाडु के प्रसिद्ध नेता और भूतपूर्व मुख्यमंत्री। 1905 – डॉ. रामकुमार वर्मा- भारत प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार। 1927 – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार। 1926 – अशोक सिंघल - 'विश्व हिन्दू परिषद' (विहिप) के अध्यक्ष थे। 1876 – शरत चंद्र चट्टोपाध्याय- भारतीय उपन्यासकार। 1861 – मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया- इंजीनियर, वैज्ञानिक और निमार्ता। 1973 – अलबेरूनी - एक फारसी विद्वान लेखक, वैज्ञानिक, धर्मज्ञ तथा विचारक।

निधन

2012 – के.एस. सुदर्शन - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे। 1998 – विश्वनाथ नारायण लवांडे - 'गोवा मुक्ति संग्राम' के प्रमुख नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी।

महत्वपूर्ण अवसर एवं उत्सव

◆ अभियन्ता दिवस ◆ संचायिका दिवस ◆ राष्ट्रीय हिन्दी दिवस (सप्ताह)

भारत की जैसमीन लंबोरिया विश्व चैम्पियन बनीं, नुपूर को रजत और पूजा को कांस्य

भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया ने अपना नाम इतिहास में दर्ज कराया

❍ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज

एजेंसी (हि.स.)

लिवरपूल

भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया ने अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया जब वह विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता पोलैंड की जूलिया जेरेमेटा को हराकर फीदरवेट वर्ग में चैम्पियन बन गई । पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जैसमीन ने 57 किलोवर्ग के फाइनल में शनिवार को देर रात 4 . 1 (30-27, 29-28, 30-27, 28-29, 29-28) से जीत दर्ज की ।

नुपूर शेरोन (80 प्लस किलो) और पूजा रानी (80 किलो) को गैर ओलंपिक भारवर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा ।इस जीत के साथ जैसमीन विश्व चैम्पियन बनने वाली भारत की नौवीं मुक्केबाज बन गई । इससे पहले छह बार की चैम्पियन एम सी मेरीकोम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता निकहत जरीन (2022 और 2023), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006), लेखा केसी (2006), नीतू गंघास (2023), लवलीना बोरगोहेन (2023) और स्वीटी बूरा (2023) यह खिताब जीत चुकी है।

तीसरी बार विश्व चैंपियनशिप में भाग ले रही 24 वर्षीय जैसमीन ने मुकाबले में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। शुरू में दोनों मुक्केबाज एक-दूसरे को परख रही थीं लेकिन रेफरी के उकसावे पर जेरेमेटा ने पहला वार किया। ओलंपिक फाइनल में लिन यू-टिंग से हारने वाली पोलैंड की यह मुक्केबाज तेज और सटीक थी और रक्षात्मक रणनीति का इस्तेमाल करते हुए तेजी से अंदर-बाहर हो रही थी। उन्होंने पहला राउंड 3-2 से जीत लिया। लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की। जैसमीन ने मुकाबले पर नियंत्रण बनाया तथा आक्रमण और रक्षण के बीच शानदार समन्वय स्थापित किया जिससे सभी जज उनके पक्ष में हो गए। जब अंतिम फैसला सुनाया गया, तो आमतौर पर शांत रहने वाली जैसमीन ने हल्की सी चीख मारी और फिर हाथ उठाकर अपनी निराश प्रतिद्वंद्वी को शालीनता से गले लगा लिया। पदक समारोह में, जब पूरे स्टेडियम में भारतीय राष्ट्रगान गूंज रहा था, तो उनकी आंखें चमक उठीं। एक अन्य फाइनल में नुपुर को पोलैंड की तकनीकी रूप से कुशल अगाता काज्मार्स्का से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक मिला।

फोटोः हि.स.

नूपुर अपने लंबे कद के बावजूद मुकाबले में खुद को हावी नहीं कर पाईं। उन्होंने शानदार शुरूआत की और मुक्कों की झड़ी लगा दी, लेकिन काज्मार्स्का ने लगातार आक्रामकता से जवाब दिया और ऐसे वार किए कि भारतीय खिलाड़ी निढाल हो गई।जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, नूपुर मुक्के मारने में हिचकिचाने लगीं, जबकि पोलैंड की खिलाड़ी लगातार आक्रमण करती रही।निर्णायक क्षण अंतिम राउंड में आया जब अगाता ने एक जबरदस्त अपरकट लगाया जो मुकाबला 3-2 से उनके पक्ष में करने और उनके पहले विश्व खिताब को सुनिश्चित करने के लिए काफी था।

इससे पहले सेमीफाइनल में पूजा को स्थानीय खिलाड़ी एमिली एस्क्विथ के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। पूजा ने राउंड के बाद अपने नपे-तुले खेल से बढ़त बना ली। लेकिन एस्क्विथ ने तेजी से अपने खेल की रणनीति में बदलाव करते हुए 34 वर्षीय पूजा की लय को बेअसर कर दिया।

हांगकांग पर बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा श्रीलंका

एजेंसी (हि.स.)

दुबई

अपने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार जीत से उत्साहित श्रीलंका की टीम हांगकांग के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पिछली बार जब एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला गया था तब श्रीलंका चैंपियन बना था। उसने बांग्लादेश के खिलाफ हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी विरोधी टीमों को उससे सतर्क रहने का स्पष्ट संकेत दिया।

श्रीलंका का मुकाबला अब हांगकांग से होगा, जो लगातार दो मैच हार चुका है और उसके बल्लेबाजों को अपने से अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।नुवान तुषारा और दुष्मंथा चमीरा की तेज गेंदबाजी जोड़ी हांगकांग के कमजोर शीर्ष क्रम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी। अगर यासिम मुर्तजा की अगुवाई वाली हांगकांग की टीम पावरप्ले में इनसे निपटने में कामयाब रहती है, तो इसके बाद उनके लिए स्पिनर वानिन्दु हसरंगा से पार पाना और भी मुश्किल साबित हो सकता है। हसरंगा स्टंप्स को निशाना बनाकर बल्लेबाजों को गुगली से चकमा दे सकते हैं। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ मथीशा पथिराना का बांग्लादेश के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और अब वह यॉर्कर की बौछार से विपक्षी टीम को ध्वस्त करने के लिए उत्सुक होंगे।

बल्लेबाजी में, श्रीलंका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल विध्वंसक साबित हो सकते हैं। मुर्तजा हांगकांग की टीम के कुछ चुनिंदा बाउंड्री हिटर्स में से एक हैं। वह जानते हैं कि उनके बल्लेबाजों को कहां सुधार करने की जरूरत है। बांग्लादेश से हार के बाद मुर्तजा ने कहा, '' मैं बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन अगर उनमें से कोई बड़ा स्कोर बनाता तो मुझे और भी खुशी होती। मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि हमें किस चीज पर काम करना है, उम्मीद है कि अगली बार हम बेहतर प्रदर्शन करेंगे।हांगकांग के सलामी बल्लेबाज जीशान अली और अंशुमान रथ अब तक निराशाजनक प्रदर्शन कर रहे हैं और अगर उनकी टीम को बेहतर प्रदर्शन करना है तो उन्हें पावरप्ले में रन बनाने होंगे।

फोटोः हि.स.

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंकाः चैरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिन्दु हसरंगा, डुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

हांगकांगः यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हण चल्लू, आयुष शुक्ला, ऐजाज खान, अतीक इकबाल, किंचित शाह, आदिल महमूद, हारून अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, मोहम्मद गजनफर, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान।

मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे शुरू होगा।

एशिया कप में खाता खोलने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे यूएई और ओमान

एजेंसी (हि.स.)

अबुधाबी

मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सोमवार को यहां एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए मुकाबले में जब पहली बार इस प्रतियोगिता में खेल रहे ओमान से भिड़ेगा तो उसकी कोशिश भारत से मिली हार को भुलाकर मैच जीतने की होगी।इन दोनों टीमों को अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था और उनका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल करके अपना खाता खोलना होगा।दूसरी बार एशिया कप में खेल रही यूएई की टीम अपने पहले मैच में 13.1 ओवर में मात्र 57 रन पर ढेर हो गई और भारत ने अपनी सबसे तेज टी-20 जीत दर्ज की। ओमान का प्रदर्शन भी कुछ बेहतर नहीं रहा।पाकिस्तान के खिलाफ 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 16.4 ओवर में 67 रन पर आउट हो गई, जिससे एसोसिएट टीमों और टूर्नामेंट की दिग्गज टीमों के बीच के अंतर स्पष्ट नजर आने लग गया है। यूएई के मुख्य कोच लालचंद राजपूत ने माना कि उनकी टीम ने पहले कभी इतनी बेहतरीन गेंदबाजी नहीं देखी थी और वे भारत के स्टार खिलाड़ियों के सामने किसी तरह की चुनौती नहीं पेश कर पाए लेकिन उन्हें ओमान के खिलाफ टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में खेल कर अच्छी तैयारी के साथ इस टूर्नामेंट में उतरी संयुक्त अरब अमीरात की टीम को अगर अपना खाता खोलना है तो कप्तान मुहम्मद वसीम, अलीशान शराफू, राहुल चोपड़ा, आसिफ खान और बाएं हाथ के स्पिनर हैदर अली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

फोटोः हि.स.

टीम इस प्रकार हैं

संयुक्त अरब अमीरातः मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

ओमानः जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

अभय सिंह मिस्र ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिल्ली। कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अभय सिंह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में नाकाम रहे और गीजा में चल रही 366,000 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए वर्ल्ड टूर डायमंड स्क्वाश प्रतियोगिता मिस्र ओपन के राउंड ऑफ 32 में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से हार गए। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले दौर में दुनिया के 17वें नंबर के फ्रांसीसी खिलाड़ी ग्रेगोइरे मार्चे को हराया था। लेकिन वह अपना यह प्रदर्शन आगे जारी नहीं रख पाए और शनिवार की रात को खेले गए मुकाबले में मिस्र के खिलाड़ी से 40 मिनट में 4-11, 10-12, 11-5, 7-11 से हार गए।

जयपुर पिंक पैंथर्स की यूपी योद्धाज पर धमाकेदार जीत

❍ रोमांचक मुकाबले में 41-29 से किया पराजित

एजेंसी (हि.स.)

जयपुर

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 में जयपुर पिंक पैंथर्स ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में अपने घरेलू दर्शकों के सामने पहली जीत का परचम लहराया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में पैंथर्स ने यूपी योद्धाज को 41-29 से मात दी। नितिन कुमार टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने शानदार रेड्स करते हुए सुपर-10 लगाया।

उनके साथ ईरानी ऑल-राउंडर अली सामदी ने 9 अंक जोड़े।डिफेंस में भी जयपुर का जलवा रहा, रेजा मिरबघेरी ने 4 टैकल अंक, जबकि दीपांशु खत्री और आर्यन कुमार ने 3-3 टैकल अंक जुटाए। यूपी योद्धाज की ओर से गगन गौड़ा ने दमदार संघर्ष किया और 15 अंकों के साथ अपना चौथा सुपर-10 पूरा किया। कप्तान सुमित सांगवान ने 4 टैकल अंक हासिल किए, मगर टीम के बाकी खिलाड़ी लय नहीं पकड़ सके। शुरूआत में यूपी ने बढ़त बनाई। शिवम चौधरी और भवानी राजपूत ने अंक दिलाए, जबकि गगन गौड़ा ने दबाव बढ़ाया। लेकिन जयपुर ने नितिन और सामदी की जोड़ी के दम पर शानदार वापसी की। पहले हाफ तक जयपुर 23-12 से मजबूत बढ़त पर था। दूसरे हाफ में गगन गौड़ा ने एक के बाद एक सफल रेड्स से यूपी को वापसी की उम्मीद दी। कप्तान सुमित भी डिफेंस में सक्रिय दिखे, लेकिन दीपांशु खत्री के सुपर टैकल ने जयपुर को फिर से मजबूती दिला दी। अंतिम क्वार्टर में नितिन ने दोहरी चमक बिखेरी। पहले सुपर-10 पूरा किया और फिर निर्णायक ऑल-आउट दिलाते हुए टीम को 41-29 से जीत दिलाई।

फोटोः हि.स.

दर्पण विशेष

एम. विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है इंजीनियर्स डे

भारत में प्रतिवर्ष 15 सितंबर को अभियन्ता दिवस (इंजीनियर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भारत के महान अभियन्ता एवं भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्मदिन है।एम विश्वेश्वरैया भारत के महान इंजिनियरों में से एक थे, इन्होंने ही आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया। उनकी दृष्टि और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में समर्पण भारत के लिए कुछ असाधारण योगदान दिया।

शुरूआती जीवन

विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर, जो कि अब कर्नाटक में है, के 'मुद्देनाहल्ली' नामक स्थान पर 15 सितम्बर, 1861 को हुआ था। बहुत ही गरीब परिवार में जन्मे विश्वेश्वरैया का बाल्यकाल बहुत ही आर्थिक संकट में व्यतीत हुआ था। उनके पिता वैद्य थे। वर्षों पहले उनके पूर्वज आंध्र प्रदेश के 'मोक्षगुंडम' नामक स्थान से मैसूर में आकर बस गये थे। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने प्रारंभिक शिक्षा जन्म स्थान से ही पूरी की। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने बंगलूर के 'सेंट्रल कॉलेज' में दाखिला लिया। लेकिन यहाँ उनके पास धन का अभाव था। अतः उन्हें ट्यूशन करना पड़ा। विश्वेश्वरैया ने 1881 में बी.ए. की परीक्षा में अव्वल स्थान प्राप्त किया। इसके बाद मैसूर सरकार की मदद से इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए पूना के 'साइंस कॉलेज' में दाखिला लिया। 1883 की एल.सी.ई. व एफ.सी.ई. (वर्तमान समय की बीई उपाधि) की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपनी योग्यता का परिचय दिया। इसी उपलब्धि के चलते महाराष्ट्र की सरकार ने इन्हें नासिक में सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किया था।

मोक्षमुंडम विश्वेश्वरैया करियर

इंजीनियरिंग पास करने के बाद विश्वेश्वरैया को बॉम्बे सरकार की तरफ से जॉब का ऑफर आया, और उन्हें नासिक में असिस्टेंट इंजिनियर के तौर पर काम मिला. एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने बहुत से अद्भुत काम किये. उन्होंने सिन्धु नदी से पानी की सप्लाई सुक्कुर गाँव तक करवाई, साथ ही एक नई सिंचाई प्रणाली 'ब्लाक सिस्टम' को शुरू किया. इन्होंने बाँध में इस्पात के दरवाजे लगवाए, ताकि बाँध के पानी के प्रवाह को आसानी से रोका जा सके. उन्होंने मैसूर में कृष्णराज सागर बांध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. ऐसे बहुत से और कार्य विश्वेश्वरैया ने किये, जिसकी लिस्ट अंतहीन है।1903 में पुणे के खड़कवासला जलाशय में बाँध बनवाया. इसके दरवाजे ऐसे थे जो बाढ़ के दबाब को भी झेल सकते थे, और इससे बाँध को भी कोई नुकसान नहीं पहुँचता था. इस बांध की सफलता के बाद ग्वालियर में तिगरा बांध एवं कर्नाटक के मैसूर में कृष्णा राजा सागरा (डैम) का निर्माण किया गया. कावेरी नदी पर बना कृष्णा राजा सागरा को विश्वेश्वरैया ने अपनी देख रेख में बनवाया था, इसके बाद इस बांध का उद्घाटन हुआ. जब ये बांध का निर्माण हो रहा था, तब एशिया में यह सबसे बड़ा जलाशय था।1906-07 में भारत सरकार ने उन्हें जल आपूर्ति और जल निकासी व्यवस्था की पढाई के लिए 'अदेन' भेजा। उनके द्वारा बनाये गए प्रोजेक्ट को अदेन में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया। हैदराबाद सिटी को बनाने का पूरा श्रेय विश्वेश्वरैया जी को ही जाता है। उन्होंने वहां एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की, जिसके बाद समस्त भारत में उनका नाम हो गया। उन्होंने समुद्र कटाव से विशाखापत्तनम बंदरगाह की रक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विश्वेश्वरैया को मॉडर्न मैसूर स्टेट का पिता कहा जाता था। इन्होंने जब मैसूर सरकार के साथ काम किया, तब उन्होंने वहां मैसूर साबुन फैक्ट्री, परजीवी प्रयोगशाला, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, श्री जयचमराजेंद्र पॉलिटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, सेंचुरी क्लब, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एवं यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की स्थापना करवाई। इसके साथ ही और भी अन्य शैक्षिणक संस्थान एवं फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। विश्वेश्वरैया ने तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

व्यक्तित्व

एम. विश्वेश्वरैया जी बहुत साधारण तरह के इन्सान थे। जो एक आदर्शवादी, अनुशासन वाले व्यक्ति थे। वे शुध्य शाकाहारी और नशा से बहुत दूर रहते थे। विश्वेश्वरैया जी समय के बहुत पाबंद थे, वे 1 मिनट भी कही लेट नहीं होते थे। वे हमेशा साफ सुथरे कपड़ों में रहते थे। उनसे मिलने के बाद उनके पहनावे से लोग जरुर प्रभावित होते थे। वे हर काम को परफेक्शन के साथ करते थे। यहाँ तक की भाषण देने से पहले वे उसे लिखते और कई बार उसका अभ्यास भी करते थे। वे एकदम फिट रहने वाले इन्सान थे। 92 साल की उम्र में भी वे बिना किसी के सहारे के चलते थे, और सामाजिक तौर पर एक्टिव भी थे। उनके लिए काम ही पूजा थे, अपने काम से उन्हें बहुत लगाव था। उनके द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण भारत आज गर्व महसूस करता है, उनको अगर अपने काम के प्रति इतना दृढ विश्वास एवं इक्छा शक्ति नहीं होती तो आज भारत इतना विकास नहीं कर पाता।भारत में उस ब्रिटिश राज्य था, तब भी विश्वेश्वरैया जी ने अपने काम के बीच में इसे बाधा नहीं बनने दिया, उन्होंने भारत के विकास में आने वाली हर रुकावट को अपने सामने से दूर किया था। यह हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है।

अभियंता दिवस

एक सौ एक वर्ष का यशस्वी जीवन जीने वाले मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया सदैव भारतीय आकाश में अपना प्रकाश बिखेरते रहेंगे। भारत सरकार द्वारा 1968 ई। में डॉ। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जन्म तिथि को 'अभियंता दिवस' घोषित किया गया था। तब से हर वर्ष इस पुनीत अवसर पर सभी भारतीय अभियंता एकत्रित होकर उनकी प्रेरणादायिनी कृतित्व एवं आदर्शों के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित कर अपने कार्य-कलापों का आत्म विमोचन करते हैं और इसे संकल्प दिवस के रूप में मनाने का प्रण लेते हैं। संकल्प अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का समर्पित भाव से निर्वहन करते हैं। भारत की आजादी के बाद नये भारत के निर्माण और विकास में प्रतिभावान इंजीनियरों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गांव एवं शहरों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुल-पुलियों और सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना निर्माण के अनेक कार्य हो रहे हैं। हमारे इंजीनियरों ने अपनी कुशलता से इन सभी निर्माण कार्यो को गति प्रदान की है। राज्य और देश के विकास में इंजीनियरों के इस योगदान के साथ-साथ 'अभियंता दिवस' के इस मौके पर 'भारतरत्न' सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रेरणादायक जीवन गाथा को भी याद किया जाता है।

कौन थे विश्वेश्वरैया

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितंबर 1881 में कर्नाटक के मैसूर में कोलार जिले में हुआ था। वह एक तेलुगु परिवार से संबंध रखते थे। उन्हें बचपन में लोग विश्वा के नाम से बुलाते थे। उनके पिता का नाम श्रीनिवास शास्त्री था, जो कि पेशे से आयुर्वेद होने के साथ-साथ संस्कृत के विद्वान भी थे। हालांकि, विश्वेश्वरैया की सिर्फ 12 साल की उम्र में ही पिता का साया सिर से उठ गया था।

सहायक इंजीनियर के पद पर मिली नौकरी

विश्वेश्वरैया का शुरू से ही साइंस विषय के प्रति लगाव था। उन्होंने 1883 में पूना के साइंस डिग्री कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और इसके बाद उन्हें सहायक इंजीनियर के पद पर नौकरी मिल गई। साल 1909 में वह राज्य के चीफ इंजीनियर के पद नियुक्त हुए। वहीं, बाद में वह मैसूर के प्रमुख इंजीनियर बने।

बाढ़ आपदा प्रबंधन और सिंचाई तकनीक में माहिर

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया बाढ़ आपदा प्रबंधन और सिंचाई तकनीक में माहिर थे। उन्होंने कई जलाशयों और जलविद्युत परियाजनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। कावेरी नदी पर बना कृष्णराज सागरबांध उनके प्रयासों की देन है, जिससे लाखों किसानों को लाभ मिल रहा है। साथ ही, उन्होंने मैसूर ऑयल और सॉप फैक्ट्री, भद्रावती आयरन एंड स्टील वर्क्स और बैंक ऑफ मैसूर को स्थापित करने में अपने कड़े प्रयास किए। साल 1955 में उन्हें भारत सरकार की ओर से भारत रत्न से सम्मानित किया गया। साल 1962 में 102 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। साल 1968 से भारत में इंजीनियर दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

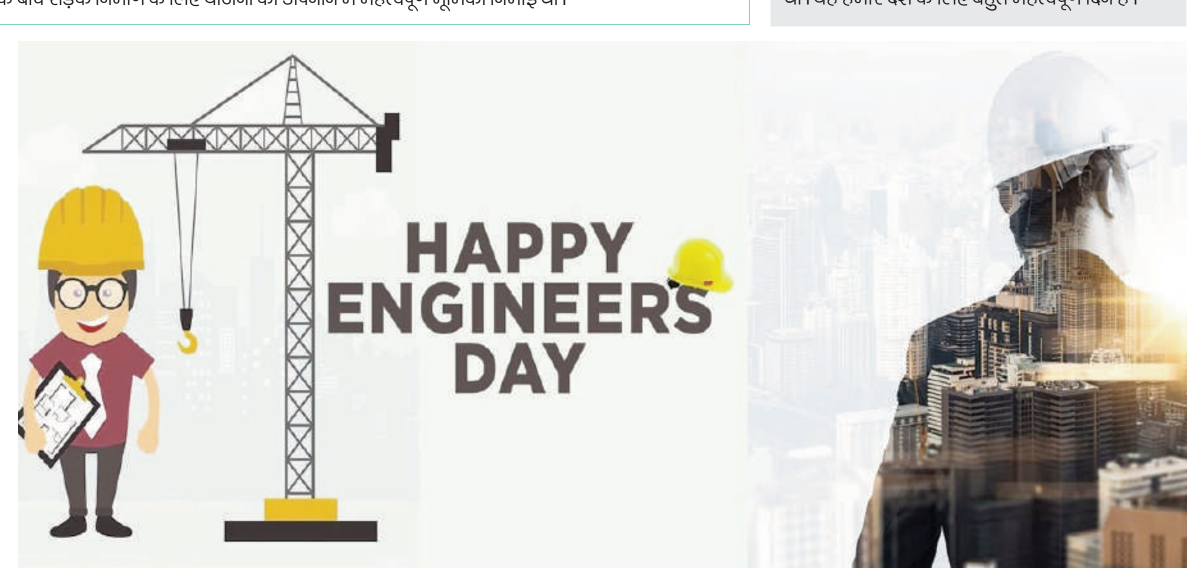

चंडीगढ़ पुलिस के 350 अधिकारियों व कर्मियों ने मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाया

अस्पताल सभी बीट बॉक्स पोस्ट पर तैनात पुलिस कर्मियों के लिए लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

संवाददाता
चंडीगढ़

पुलिस लाइन्स, सेक्टर 26 के मल्टीपर्पज हॉल में चण्डीगढ़ पुलिस के सहयोग से मुकुट हॉस्पिटल एन्ड हार्ट इंस्टिट्यूट, सेक्टर 34 द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर पुलिस महानिदेशक सागर प्रीत हूडा, आईपीएस तथा पुलिस अधीक्षक मनजीत श्योराण, आईपीएस की पहल पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरजीत कौर संधू, डीएसपी लाइन्स एवं पीसीआर, मंजू शर्मा, डीएसपी, वेलफेयर सेंटर, इंस्पेक्टर रीना यादव, इंचार्ज, सीपीडी, इंस्पेक्टर जसविंदर कौर इंचार्ज, एडमिन (पीसीआर) एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सुरंजना बसाक (न्यूरोलॉजी), डॉ. तेजस सूद (पल्मोनोलॉजी), डॉ. सुमु चौधरी (ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. रमेश अग्रवाल (लेप्रोस्कोपिक सर्जरी), डॉ. ज्योतिका शर्मा (स्त्री रोग) परामर्श देने हेतु शिविर में उपस्थित रहे। शिविर में रक्तचाप, ब्लड शुगर, ईसीजी, बोन मिनरल डेंसिटोमेट्री, पैप स्मीयर और पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट जैसी डायग्नोस्टिक सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। डीएसपी हरजीत कौर और डीएसपी मंजू शर्मा के प्रस्ताव पर अस्पताल ने सभी बीट बॉक्स पोस्ट पर तैनात पुलिस अधिकारियों के लिए लाइफस्टाइल मैनेजमेंट, सीपीआर और फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर सहमति जताई।

अस्पताल के जीएम, मार्केटिंग बीएस संधू द्वारा सड़क हादसों के पीड़ितों की सहायता हेतु अतिरिक्त पहल के रूप में 10 पीसीआर वाहनों को फर्स्ट एड किट वितरित की गईं। अस्पताल के प्रतिनिधियों ने पीसीआर स्टाफ को इन किट्स के सही उपयोग का प्रदर्शन भी किया। महिला प्रतिभागियों को महिला स्वच्छता किट निःशुल्क प्रदान की गई।

इस शिविर में पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और लगभग 350 से अधिक लाभार्थियों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया। सभी प्रतिभागियों को डिस्काउंट कूपन वितरित किए गए। मुक्त अस्पताल के सीओओ नेहचल सिंह ने बताया कि 30 सितम्बर तक किसी भी स्पेशलिटी की निःशुल्क ओपीडी परामर्श सेवाएं अस्पताल में उपलब्ध रहेंगी।

एनसीआईएएसपी 2025 के अंतिम दिन सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य के मार्ग और स्थान, पहचान और कल्याण पर चिंतन पर प्रकाश डाला गया

संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय सामाजिक मनोरोग संघ (एनसीआईएएसपी 2025) के राष्ट्रीय सम्मेलन का तीसरा और अंतिम दिन विचारोत्तेजक सत्रों के साथ संपन्न हुआ, जिसने मानसिक स्वास्थ्य के मूल में समुदाय, घर और व्यक्तिगत आख्यानों पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. चेतना दुग्गल द्वारा आयोजित पूर्ण सत्र, ₹जहाँ रास्ते मिलते हैं: सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को सुदृढ़ करने के मार्ग₹, ने एकीकृत, सुलभ और सांस्कृतिक रूप से आधारित सेवाओं की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया, साथ ही देखभाल के नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भविष्य की दिशाएँ भी निर्धारित कीं। एक अन्य पूर्ण सत्र में, श्री सिद्धार्थ विग ने घर का विचारः भौतिक स्थान हमारे मानसिक स्वास्थ्य को कैसे आकार देता है₹ पर चिंतन किया, जिसमें उन्होंने जीवित अनुभव, वास्तुकला और

सामाजिक मनोरोग विज्ञान से अंतर्दृष्टि प्राप्त की और यह स्पष्ट किया कि हम जिन स्थानों में रहते हैं, वे हमारे मनोवैज्ञानिक कल्याण को कैसे आकार देते हैं।

एक गहन व्यक्तिगत आयाम जोड़ते हुए, सुश्री पूर्वई अरण्य ने ₹वाटरलॉग₹ शीर्षक से अपने विचार प्रस्तुत किए, जो एक मार्मिक कथा थी जिसने मानसिक स्वास्थ्य की यात्रा के साथ जुड़े लचीलेपन, रचनात्मकता और अर्थ-निर्माण प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला। यह दिन विभिन्न संगोष्ठियों से समृद्ध हुआ, जिसमें सामाजिक मनोरोग विज्ञान के विविध पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें युवा और पारिवारिक मानसिक स्वास्थ्य से लेकर डिजिटल प्रभाव और देखभाल के विकसित होते समुदाय-आधारित मॉडल शामिल थे।

जैसे-जैसे एनसीआईएएसपी 2025 का समापन हुआ, प्रतिभागी मानसिक स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों के विषय के प्रति नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ विदा हुए। तीन दिनों तक, इस सम्मेलन ने विभिन्न विषयों, पीढ़ियों और समुदायों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया - भारत और उसके बाहर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए समावेशी, मानवीय और स्थायी दृष्टिकोणों को आकार देने में सामाजिक मनोरोग विज्ञान की भूमिका की पुष्टि की।

एनएचपीसी राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता
चंडीगढ़/नई दिल्ली

एनएचपीसी लिमिटेड की राजभाषा पत्रिका राजभाषा ज्योति को भारत सरकार के सर्वोच्च राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (गृह पत्रिका) के अंतर्गत क क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कर-कमलों से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी श्री भूपेंद्र गुप्ता ने 14 सितंबर, 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेन्शन एवं एग्ज़िबिशन सेंटर, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हिंदी दिवस 2025 व पाँचवे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में ग्रहण किया। इस अवसर पर गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, विधि और न्याय तथा संसदीय कार्य श्री अर्जुन राम मेघवाल, माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, माननीय उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति श्री भर्तृहरि महताब, माननीय सांसद

अहमदाबाद (पश्चिम) श्री दिनेशभाई मकवाणा भी उपस्थित थे।

राजभाषा कीर्ति पुरस्कार राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (गृह पत्रिका) के अंतर्गत राजभाषा ज्योति को यह पुरस्कार तीसरी बार प्रदान किया गया है।इससे पहले राजभाषा ज्योति को वर्ष 2019-20 के लिए प्रथम तथा वर्ष 2016-17 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक उपक्रमों के बीच उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भी एनएचपीसी को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से दस बार सम्मानित किया गया है। सार्वजनिक उपक्रमों के बीच सर्वोत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2008-09, 2009-10, 2011-12, 2014-15 और 2016-17 के लिए प्रथम तथा वर्ष 2010-11, 2012-13, 2015-16 और 2020-21 के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

एनएचपीसी ने जलविद्युत उत्पादन और विकास के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में भी गुणात्मक प्रगति की है। राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में एनएचपीसी की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए इसे अन्य अनेक राष्ट्रीय स्तर के राजभाषा पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।

राज्यसभा सांसद और वीसी ने किया पीयू और एसडी कॉलेज की असिसटेंट प्रोफेसर्स की पुस्तक का विमोचन

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्यसभा सांसद एवं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू तथा सरदार बेअंत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, गुरदासपुर के वाइस-चांसलर डॉ. एसके मिश्रा ने एक समारोह में पंजाब यूनिवर्सिटी और एसडी कॉलेज के असिसटेंट प्रोफेसर्स द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया जिसका शीर्षक ह्लहाउसिंग एंड रीहैबिलिटेशन इन हरियाणाःएन इवेल्युशन ऑफ पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्सह्व है। मानव मंगल ग्रुप ऑफ स्कूल्स और डॉ. जीसी मिश्रा मेमोरियल एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित छठे टीचर्स एक्सीलेंस अवाड्र्स 2025 समारोह के दौरान संधू और डॉ. मिश्रा ने पुस्तक का विमोचन किया।

यह पुस्तक पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. पूर्वा मिश्रा तथा गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32, चंडीगढ़ के पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. शीना चड्ढा द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में हरियाणा में लागू की गई आवास और पुनर्वास नीतियों व कार्यक्रमों का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया गया है। पुस्तक में उन पहलों पर प्रकाश डाला गया है जिनका उद्देश्य आवास की उपलब्धता और वहनीयता बढ़ाना है, साथ ही भूमि की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त क्रियान्वयन जैसी चुनौतियों का समाधान करना है।इसमें 2013 की किफायती आवास योजना, 2014 की बीपीएल योजना (ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स हेतु), 2016 की एचबीएच योजना (पूर्व सैनिक एवं अर्धसैनिक बलों के लिए) तथा 2007 की आउस्टीज योजना (भूमि अधिग्रहण पीड़ितों के पुनर्वास हेतु) जैसी योजनाओं को शामिल किया गया है। लेखकों ने बताया कि हालाकि सरकार ने कई प्रयास किए हैं, फिर भी शहरी क्षेत्रों में आवास की भारी कमी, खाली पड़े मकान और जर्जर ढांचे यह संकेत देते हैं कि और अधिक प्रभावी तथा समावेशी रणनीतियों की आवश्यकता है। पुस्तक में फरीदाबाद और पंचकूला में लागू आशियाना योजना का केस स्टडी भी प्रस्तुत किया गया है, जो बीपीएल परिवारों को किफायती आवास उपलब्ध कराने का प्रयास है। सफलता के बावजूद इस योजना को कानूनी विवादों, अतिक्रमण और धनराशि जारी करने में देरी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षमावाणी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया

संवाददाता
चंडीगढ़

श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में आज क्षमावाणी पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया।इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्यपाल जैन मुख्य अतिथि व एडवोकेट अजय जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के उपरांत जयपुर से पधारे विपिन जैन ने पक्षी मुक्ति पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने पक्षियों की स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को कभी किसी पक्षी को पिंजरे में नहीं रखने का प्रण दिलवाया। सत्यपाल जैन ने क्षमावाणी पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर संबोधन देते हुए कहा कि क्षमा केवल शब्द नहीं, बल्कि आत्मा की महानता है।क्षमा ही आत्मा का आभूषण है और इसी के माध्यम से हम वैर, द्वेष और अहंकार से मुक्ति पा सकते हैं। मंदिर समिति के सभी सदस्य धर्म बहादुर जैन, एडवोकेट आदर्श जैन, संत कुमार जैन, एडवोकेट राजा बहादुर सिंह जैन, आशीष जैन, शरद जैन, नीरज जैन, करुण जैन, रमेश जैन, इन्दर मल जैन, डॉ आशीष जैन, दामोदर दास जैन, कैलाश जैन, पंचकूला दिगम्बर जैन समाज से किशोरी लाल जैन, प्रदीप जैन इस पावन अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत उन आठ श्रद्धालुओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने दशलक्षण पर्व में दस दिन के व्रत किये थे। नमिता जैन, प्रीति जैन, कविता जैन, सोनिया जैन, रानी जैन, अमित जैन, जनित जैन, आदित्य जैन ने पूरे 10 दिन के व्रत किये जिसमे भोजन तो दूर पानी भी नहीं लिया जाता। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं ₹मिच्छामी दुक्कड़म₹ व क्षमा की भावना के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी ने सात्विक भोजन ग्रहण किया।

संक्षिप्त-समाचार

हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किए बटनदार चाकू

चंडीगढ़। मौलीजागरां थाना पुलिस ने हथियार रखने के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से बटन से खुलने वाले चाकू बरामद किए हैं। कार्रवाई शनिवार देर शाम गश्त के दौरान हुई। पहला मामला विकासनगर पेट्रोल पंप के पास सामने आया, जब पुलिस टीम को देखकर एक युवक अचानक पीछे मुड़कर तेजी से जाने लगा। शक होने पर उसे रोका गया। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की जेब से बटन से खुलने वाला चाकू मिला। आरोपी की पहचान मौलीजागरां कॉम्प्लेक्स निवासी शुभम (21 वर्षीय) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी बटनदार चाकू रखने का कोई लाइसेंस या अनुमति पत्र दिखाने में असफल रहा। उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दूसरे मामले में पुलिस गश्त के दौरान विकासनगर से सुंदरनगर की ओर जाने वाली सड़क पर एक युवक को संदिग्ध हालात में पकड़ा गया। जांच में उसकी जेब से भी बटन से खुलने वाला चाकू मिला। पकड़े गए आरोपी की पहचान 22 वर्षीय मोनू के रूप में हुई है, जो पंचकूला की राजीव कॉलोनी का निवासी है। पूछताछ के दौरान आरोपी मोनू भी अपने पास मिले बटनदार चाकू के संबंध में कोई लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस रिकॉर्ड में पहले भी उस पर हथियार रखने और झगड़े का मामला दर्ज पाया गया है। अदालत में पेश करने के बाद उसे भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसडीपीओ विजय सिंह और मौलीजागरां थाना के एसएचओ हरिओम शर्मा की संयुक्त कार्रवाई ने इलाके में चाकूबाजी और स्नैचिंग की घटनाओं पर काबू पाने में अहम भूमिका निभाई है। दोनों मामलों में जांच जारी है और आरोपियों के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

टंडन ने चिकित्सा शिविर का किया उद्घाटन

चंडीगढ़। स्थानीय लोगों के निःशुल्क चिकित्सा जांच को लेकर स्वयंसेवी संस्था सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट द्वारा सेक्टर 45 के सामुदायिक केंद्र पर निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमचल प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी संजय टंडन ने विशेष रूप से इसमें भाग लिया शिविर की जानकारी प्रदान करते हुए संस्था के संयोजक परीक्षित राणा ने बताया कि लोगों के स्वास्थय की जांच हेतु पी जी आई के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने अपने सहयोगी डॉक्टर टीम के साथ लोगों की जांच की और उनको सम्बंधित बीमारी के उपचार हेतु दवाइयां भी लिखीं उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा इस शिविर में निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया । चिकित्सा शिविर में उपस्थित सभी डॉक्टर्स, मरीजों और संस्था के सदस्यों का हौसला बढ़ाते हुए मुख्यातिथि संजय टंडन ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक जन कल्याण के कार्यों को करने से समाज में जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध करवाना एक नेक कार्य है। समय समय पर अपने शरीर की जांच से हम समय रहते उपचार करवा सकते हैं इस प्रकार से शिविरों से जो लोग अस्पतालों में नहीं जा पाते उनके लिए बहुत आसान हो जाता है ।उन्होंने शिविर के सफल आयोजन पर सर्व कल्याणकारी संस्था के अभिषेक राणा और उनकी समस्त टीम को शुभकामनाएं प्रदान कीं इस मौके पर उनके साथ भाजपा के जिला अध्यक्ष रविंद्र मलिक, जिला महामंत्री एल. डी. शर्मा जी, मंडल अध्यक्ष मुकेश शास्त्री तथा मंडल नंबर 34 के सभी पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ पुलिस की स्वयं टीम ने शुरू की आत्मरक्षा प्रशिक्षण कक्षाएं

चंडीगढ़। शुक्रवार को चंडीगढ़ पुलिस की स्वयं टीम ने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में अहम पहल करते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की। यह तीन सप्ताह तक चलने वाला प्रशिक्षण डॉ. हरवंश सिंह जज इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल, पंजाब यूनिवर्सिटी, सेक्टर-25 में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में करीब 400 छात्राएँ हिस्सा लेंगी। उद्घाटन समारोह में संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. दीपक कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे चंडीगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार तथा विशिष्ट अतिथि एसएसपी कंवरदीप कौर का स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने स्वयं टीम की भूमिका की सराहना करते हुए पंजाब यूनिवर्सिटी प्रशासन का धन्यवाद किया कि उन्होंने इस तरह की उपयोगी पहल को प्राथमिकता दी। एसएसपी कंवरदीप कौर ने बताया कि स्वयं पहल का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों तक पहुँचना और छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीकों से सशक्त करना है। उन्होंने छात्राओं से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाएँ। उद्घाटन मौके पर स्वयं टीम ने आत्मरक्षा के कुछ व्यावहारिक तरीके प्रदर्शित भी किए। आने वाले तीन सप्ताह तक प्रशिक्षित प्रशिक्षक छात्राओं को इंटरैक्टिव सत्र और प्रैक्टिकल डेमो के माध्यम से आत्मरक्षा के गुर सिखाएँगे। इस मौके पर डीएसपी सीता देवी, डॉ. सविता पराशर, डॉ. मंजोत कौर, डॉ. जगबीर सिंह सहित संस्थान के कई संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

क्रैक ने नए सेंटर और साझेदारी की घोषणा की

चंडीगढ़। एड-टेक प्लेटफॉर्म क्रैक एकेडमी ने टियर-2 और टियर-3 शहरों के बच्चों तक किफायती और बेहतर शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से आज सोलन जिला में नए सेंटर और साझेदारी के अवसर की घोषणा की है। इसी मिशन के तहत एकेडमी ने हिमाचल के अन्य जिलों में कई सेंटर शुरू किए हैं, जिन्हें छात्रों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। क्रैक एकेडमी के सीईओ, नीरज कंसल ने कहा, ह्लहमारा मकसद हमेशा से छात्रों के सपनों और अवसरों के बीच की दूरी को खत्म करना रहा है। हिमाचल के छात्रों से मिला उत्साहजनक रिस्पॉन्स हमें और तेजी से आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहा है।

नेक्सस एलांटे ने फूफू फेस्ट में मनाया फिटनेस, दोस्ती और समुदाय का रंगारंग उत्सव

चंडीगढ़। नेक्सस एलांटे ने द फूफू टर्टल कम्युनिटी के साथ मिलकर आज शानदार फूफू फेस्ट का आयोजन किया। इस अनोखे उत्सव में फिटनेस, मनोरंजन और सामुदायिक जुड़ाव का संगम देखने को मिला, जिसने पूरे शहर का दिल जीत लिया। शहर का लोकप्रिय शॉपिंग डेस्टिनेशन आज एक जीवंत रनिंग ट्रैक में तब्दील हो गया। यहां 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों की दौड़ों में हिस्सा लिया। यह सिर्फ एक दौड़ नहीं रही, बल्कि एक उत्सव बन गई, जिसने प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों में ऊर्जा, सकारात्मकता और भाईचारे का संदेश फैलाया। प्रतिभागियों ने दौड़ के अलावा संगीत, कोल्ड प्लंज, वेलनेस विशेषज्ञों से संवाद और क्रिएटर-लीड वेलनेस गतिविधियों का अनुभव लिया। कार्यक्रम का समापन एक जोशीले कॉफी रेव के साथ हुआ, जिसने सभी को नई ऊर्जा और आपसी जुड़ाव से भर दिया। फूफू फेस्ट का उद्देश्य केवल गति नहीं, बल्कि शांति, मेल-जोल और सामुदायिक भावना का उत्सव मनाना था–और चंडीगढ़वासियों की उत्साही भागीदारी ने इस सोच को साकार कर दिया।

मेयर हरप्रीत कौरबबला ने 50 कैप्टन्स को किया सम्मानित

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत की अग्रणी बाइक-टैक्सी सेवा रैपिडो ने अपने कैप्टन्स के लिए विशेष रिवॉर्ड्स एंड रिकग्निशन प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया। यह आयोजन चंडीगढ़ के होटल पर्ल में संपन्न हुआ।इस अवसर पर मेयर हरप्रीत कौर बबला मुख्य अतिथि रहीं और उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 50 कैप्टन्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम में लगभग 250-300 कैप्टन्स ने भाग लिया और मंच पर अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं। माननीय मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला ने रैपिडो कैप्टन्स द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में, रैपिडो जैसे प्लेटफॉर्म न केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराता है, बल्कि शहर की गतिशीलता और विकास में भी अहम योगदान देता है।, रैपिडो के जोनल हेड आकाश मेहता ने कहा हमारे कैप्टन्स की मेहनत और लगन ही रैपिडो की असली ताकत है। यह सम्मान उसी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रैपिडो, जिसकी स्थापना 2015 में हुई थी, आज 295 से ज्यादा शहरों में कार्यरत है और 50 लाख से अधिक कैप्टन्स के साथ प्रतिदिन लगभग 45 लाख यात्राओं की सुविधा प्रदान कर रहा है।

धार्मिक संस्थाएं जल्द एकजुट होकर प्रशासक के समक्ष उठाएंगी सब्सिडी की मांग

धार्मिक स्थलों को सोलर पैनल लगवाने के लिए सब्सिडी मिलनी चाहिए : हरभूषण गुलाटी

संवाददाता
चंडीगढ़

शहर में धार्मिक स्थल भारी भरकम बिजली के बिलों से त्रस्त हैं, परन्तु अगर वे इससे बचने के लिए अपने यहां सोलर पैनल लगवाना भी चाहें, इनको स्थापित करने के खर्चे को वहन करना धार्मिक स्थलों के संचालकों के लिए बेहद कठिन है, क्योंकि ये संस्थाएं सिर्फ श्रद्धालुओं के दान पर ही निर्भर हैं। इसलिए धार्मिक संस्थाओं को सोलर पैनल लगवाने के लिए सब्सिडी का प्रावधान करना चाहिए।ये कहना था श्री सनातन धर्म मंदिर सभा, सेक्टर 27 के अध्यक्ष हरभूषण गुलाटी का, जो आज मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सौर ऊर्जा को अधिकाधिक बढ़ावा देने के मिशन में जुटे हुए हैं और इसी के अनुरूप चण्डीगढ़ प्रशासन का भी लक्ष्य शहर को 100 प्रतिशत अक्षय

- श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर 27 मेंतीनों टाइम लगंर की सेवा शुरू की जाएगी : संजीव शर्मा
- रोजाना बिना नागा 400 लोगों का लंगर तैयार करके मन्दिर के बाहर बांटा जाता है

ऊर्जा से भरपूर करना है।परन्तु धार्मिक संस्थाओं को इस मिशन से जोड़े बिना ये लक्ष्य हासिल करना असंभव है। इसलिए सब्सिडी दी जानी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि वे जल्द ही शहर के सभी धार्मिक स्थलों के संचालकों एवं हिन्दू पर्व महासभा से संपर्क करेंगे व इस मुद्दे पर एकजुट होकर चण्डीगढ़ के प्रशासक से भेंट करके सब्सिडी की मांग उठाएंगे। इस अवसर पर यहां मौजूद चण्डीगढ़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव चड्ढा व हिमाचल

महासभा, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष पृथी सिंह प्रजापति ने भी इस मांग को बिल्कुल सही करार देते हुए समर्थन किया। प्रेस वार्ता में मंदिर सभा के महासचिव संजीव शर्मा ने सभा द्वारा किए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सभा ने वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान मजदूरों एवं जरूरतमंद वर्ग के लोगों की सहायतार्थ रोजाना लंगर शुरू किया था, जो अभी लगभग साढ़े पांच वर्ष बाद भी निरन्तर जारी है व रोजाना बिना नागा 400 लोगों का लंगर तैयार करके मन्दिर के बाहर बांटा जाता है। इसके अलावा अब इस सेवा कार्य को विस्तार देते हुए सुबह का नाश्ता भन्डारा भी शुरू कर दिया है और आने वाले समय में रात्रि का भन्डारा भी शुरू कर दिया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि मंदिर सभा द्वारा सेक्टर 27, 28 के क्षेत्र में रहने वाले जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए मुफ्त टिफिन सेवा भी चलाई जा रही है तथा आने वाले समय में इसे चंडीगढ़ के और क्षेत्रों के लिए शुरू किया जाएगा। जो भी असहाय बुजुर्ग व असमर्थ दम्पति यह सेवा चाहते है तो मोबाइल नं 9417769989 व 9814035506 पर सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लंगर मंदिर सभा द्वारा रखे गए स्थाई रसोइयों द्वारा मंदिर परिसर में ही तैयार किया जाता है तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न करते हुए लंगर को ब्रांडेड तेल, घी व मसालों से ही बनाया जाता है।इसके अलावा प्रति वर्ष मंदिर की महिला कीर्तन मंडली द्वारा श्रावण मास के पहले दिन से श्री राधाष्टमी तक रोजाना दोपहर 3 बजे से सांय 6 बजे तक संकीर्तन किया जाता है।प्रेस वार्ता में मंदिर सभा के सदस्य कमल ठाकुर, राजेंद्र कुमार, देवेंद्र ठाकुर व राजेश शर्मा आदि भी मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर 27 शहर के सबसे बड़े व पुराने मंदिरों में से एक है। ये मंदिर 60 साल पूर्व वर्ष 1966 में डेढ़ एकड़ क्षेत्र में बना था।